

Test Date : 09 Jul 2022

Test Slot : Slot 1

Subject : Konkani

Sl. No.1

QBid:1501001

Consider the following table that embodies details about the percentage distribution of population of five states A-E on the basis of poverty line and gender. In accordance with the data in the table, answer the questions 1-5:

State-wise Distribution of Population

State	Percentage (%) of Population Below Poverty Line	Proportion of Males (M) and Females (F)	
		Below Poverty Line	Above Poverty Line
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

निम्नलिखित तालिका पर ध्यान दीजिए, जिसमें गरीबी-रेखा और जेन्डर (लिंग) के आधार पर A से E तक के पाँच राज्यों की जनसंख्या के प्रतिशत वितरण के बारे में विवरण दिया गया है। इस तालिका के आंकड़ों (डेटा) के अनुसार प्रश्न 1 से 5 तक के उत्तर दीजिए:

जनसंख्या का राज्य-वार वितरण :

राज्य	गरीबी-रेखा के नीचे जनसंख्या का प्रतिशत (%)	पुरुषों (M) और महिलाओं (F) का अनुपात	
		गरीबी रेखा से नीचे	गरीबी रेखा से ऊपर
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

What will be the number of females above poverty line in the state 'D', if it is known that the population of the state 'D' is 8 million?

- (1) 3 million
- (2) 2.83 million
- (3) 2.63 million
- (4) 2.43 million

राज्य - 'D' में गरीबी-रेखा से ऊपर महिलाओं की संख्या क्या होगी, यदि यह ज्ञात है कि राज्य 'D' की जनसंख्या 8 मिलियन है?

- (1) 3 मिलियन
- (2) 2.83 मिलियन
- (3) 2.63 मिलियन
- (4) 2.43 मिलियन

Consider the following table that embodies details about the percentage distribution of population of five states A-E on the basis of poverty line and gender. In accordance with the data in the table, answer the questions 1-5:

State-wise Distribution of Population

State	Percentage (%) of Population Below Poverty Line	Proportion of Males (M) and Females (F)	
		Below Poverty Line	Above Poverty Line
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

निम्नलिखित तालिका पर ध्यान दीजिए, जिसमें गरीबी-रेखा और जेन्डर (लिंग) के आधार पर A से E तक के पाँच राज्यों की जनसंख्या के प्रतिशत वितरण के बारे में विवरण दिया गया है। इस तालिका के आंकड़ों (डेटा) के अनुसार प्रश्न 1 से 5 तक के उत्तर दीजिएः

जनसंख्या का राज्य-वार वितरण :

राज्य	गरीबी-रेखा के नीचे जनसंख्या का प्रतिशत (%)	पुरुषों (M) और महिलाओं (F) का अनुपात	
		गरीबी रेखा से नीचे	गरीबी रेखा से ऊपर
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

If the male population above poverty line for state 'C' is 1.9 million, then what is the total population of state 'C'?

- (1) 6.25 million
- (2) 5.35 million
- (3) 4.85 million
- (4) 4.5 million

यदि राज्य - 'सी' की गरीबी-रेखा से ऊपर पुरुषों की जनसंख्या 1.9 मिलियन है तो राज्य - 'सी' की कुल जनसंख्या कितनी है?

- (1) 6.25 मिलियन
- (2) 5.35 मिलियन
- (3) 4.85 मिलियन
- (4) 4.5 मिलियन

1[Option ID=10005]
2[Option ID=10006]
3[Option ID=10007]
4[Option ID=10008]

Consider the following table that embodies details about the percentage distribution of population of five states A-E on the basis of poverty line and gender. In accordance with the data in the table, answer the questions 1-5:

State-wise Distribution of Population

State	Percentage (%) of Population Below Poverty Line	Proportion of Males (M) and Females (F)	
		Below Poverty Line	Above Poverty Line
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

निम्नलिखित तालिका पर ध्यान दीजिए, जिसमें गरीबी-रेखा और जेन्डर (लिंग) के आधार पर A से E तक के पाँच राज्यों की जनसंख्या के प्रतिशत वितरण के बारे में विवरण दिया गया है। इस तालिका के आंकड़ों (डेटा) के अनुसार प्रश्न 1 से 5 तक के उत्तर दीजिए:

जनसंख्या का राज्य-वार वितरण :

राज्य	गरीबी-रेखा के नीचे जनसंख्या का प्रतिशत (%)	पुरुषों (M) और महिलाओं (F) का अनुपात	
		गरीबी रेखा से नीचे	गरीबी रेखा से ऊपर
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

What will be the male population above poverty line for state 'A' if the female population below poverty line for state 'A' is 2.1 million?

- (1) 2.3 million
- (2) 3.3 million
- (3) 4.4 million
- (4) 6.6 million

राज्य - 'A' की गरीबी-रेखा से ऊपर पुरुषों की जनसंख्या क्या होगी, यदि राज्य 'A' की गरीबी-रेखा से नीचे महिलाओं की जनसंख्या 2.1 मिलियन है?

- (1) 2.3 मिलियन
- (2) 3.3 मिलियन
- (3) 4.4 मिलियन
- (4) 6.6 मिलियन

1[Option ID=10009]
2[Option ID=10010]
3[Option ID=10011]
4[Option ID=10012]

Sl. No.4
QBID:1501004

Consider the following table that embodies details about the percentage distribution of population of five states A-E on the basis of poverty line and gender. In accordance with the data in the table, answer the questions 1-5:

State-wise Distribution of Population

State	Percentage (%) of Population Below Poverty Line	Proportion of Males (M) and Females (F)	
		Below Poverty Line	Above Poverty Line
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

निम्नलिखित तालिका पर ध्यान दीजिए, जिसमें गरीबी-रेखा और जेन्डर (लिंग) के आधार पर A से E तक के पाँच राज्यों की जनसंख्या के प्रतिशत वितरण के बारे में विवरण दिया गया है। इस तालिका के आंकड़ों (डेटा) के अनुसार प्रश्न 1 से 5 तक के उत्तर दीजिए:

जनसंख्या का राज्य-वार वितरण :

राज्य	गरीबी-रेखा के नीचे जनसंख्या का प्रतिशत (%)	पुरुषों (M) और महिलाओं (F) का अनुपात	
		गरीबी रेखा से नीचे	गरीबी रेखा से ऊपर
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

If the population of males below poverty line for state 'B' is 2.4 million and that for state 'E' is 6 million, the total population of states 'B' and 'E' is in the ratio of _____.

- (1) 2 : 5
- (2) 2 : 7
- (3) 3 : 7
- (4) 4 : 9

यदि राज्य - B की गरीबी-रेखा से नीचे पुरुषों की जनसंख्या 2.4 मिलियन और राज्य - 'E' की 6 मिलियन है तो राज्य 'B' और 'E' की कुल जनसंख्या किस अनुपात में होगी?

- (1) 2 : 5
- (2) 2 : 7
- (3) 3 : 7
- (4) 4 : 9

1[Option ID=10013]
2[Option ID=10014]
3[Option ID=10015]
4[Option ID=10016]

Sl. No.5
QBID:1501005

Consider the following table that embodies details about the percentage distribution of population of five states A-E on the basis of poverty line and gender. In accordance with the data in the table, answer the questions 1-5:

State-wise Distribution of Population

State	Percentage (%) of Population Below Poverty Line	Proportion of Males (M) and Females (F)	
		Below Poverty Line	Above Poverty Line
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

निम्नलिखित तालिका पर ध्यान दीजिए, जिसमें गरीबी-रेखा और जेन्डर (लिंग) के आधार पर A से E तक के पाँच राज्यों की जनसंख्या के प्रतिशत वितरण के बारे में विवरण दिया गया है। इस तालिका के आंकड़ों (डेटा) के अनुसार प्रश्न 1 से 5 तक के उत्तर दीजिए:

जनसंख्या का राज्य-वार वितरण :

राज्य	गरीबी-रेखा के नीचे जनसंख्या का प्रतिशत (%)	पुरुषों (M) और महिलाओं (F) का अनुपात	
		गरीबी रेखा से नीचे	गरीबी रेखा से ऊपर
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

If the total population of state 'C' and state 'D' is 5 million and 7 million, respectively, then what is the difference in the population below poverty line in these two states?

- (1) 0.30 million
- (2) 0.23 million
- (3) 0.13 million
- (4) 0.11 million

यदि राज्य - 'C' और राज्य - 'D' की कुल जनसंख्या क्रमशः 5 मिलियन और 7 मिलियन है, तो इन दोनों राज्यों में गरीबी-रेखा से नीचे की जनसंख्या में अंतर क्या है?

- (1) 0.30 मिलियन
- (2) 0.23 मिलियन
- (3) 0.13 मिलियन
- (4) 0.11 मिलियन

1[Option ID=10017]

2[Option ID=10018]

3[Option ID=10019]

4[Option ID=10020]

Sl. No.6

QBID:1501006

Which of the following are correct regarding the process of learning?

- (A) Remembering the information and reproducing it in examination.
- (B) Synthesis and organisation of the old and new experiences resulting in a novel pattern
- (C) Carrying out activities which leave permanent effect on the learner.
- (D) Learning means acquisition, retention and modification of experience.
- (E) Preparing only for scoring good marks.

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (A), (B) and (C) only
- (2) (B), (C) and (D) only
- (3) (C), (D) and (E) only
- (4) (B), (C), (D) and (E) only

अधिगम की प्रक्रिया के संबंध में निम्नलिखित में से कौन से सही हैं?

- (A) सूचना को याद करना और उसे परीक्षा में पुनःप्रस्तुत करना
- (B) पुराने और नये अनुभवों के संश्लेषण और संगठन के परिणाम स्वरूप अभिनव पैटर्न
- (C) अधिगमकर्ता पर स्थायी प्रभाव छोड़ने वाले कार्य कलापों को आगे बढ़ाना
- (D) अधिगम का आशय अनुभव का अधिग्रहण, प्रतिधारण और परिष्करण है
- (E) केवल अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए तैयारी करना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) केवल (A), (B) और (C)
- (2) केवल (B), (C) और (D)
- (3) केवल (C), (D) और (E)
- (4) केवल (B), (C), (D) और (E)

1[Option ID=10021]
2[Option ID=10022]
3[Option ID=10023]
4[Option ID=10024]

Sl. No.7
QBid:1501007

What is the full form of MOODLE, an open source Learning Management System (LMS)?

- (1) Modular Object Oriented Digital Learning Environment
- (2) Modular Object Oriented Dynamic Learning Environment
- (3) MOOCs Oriented Digital Learning Environment
- (4) Multiple Object Oriented Dynamic Learning Environment

मुक्त स्रोत अधिगम प्रबंधन प्रणाली (एल एम एस) मूडल (एम ओ ओ डी एल ई) का पूर्ण रूप क्या है?

- (1) मॉड्यूलर ऑब्जेक्ट ओरियन्टेड डिजिटल लर्निंग एन्वायरनमेंट
- (2) मॉड्यूलर ऑब्जेक्ट ओरियन्टेड डाइनेमिक लर्निंग एन्वायरनमेंट
- (3) मूक्स ओरियन्टेड डिजिटल लर्निंग एन्वायरनमेंट

(4) मल्टीपल ऑप्जेक्ट ओरियन्टेड डाइनेमिक लर्निंग एन्वायरनमेंट

- 1[Option ID=10025]
- 2[Option ID=10026]
- 3[Option ID=10027]
- 4[Option ID=10028]

Sl. No.8

QBID:1501008

Given below are two statements :

Statement I : Assesment drives learning.

Statement II : No feedback is required to be given in formative assessments.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

- (1) Both Statement I and Statement II are correct
- (2) Both Statement I and Statement II are incorrect
- (3) Statement I is correct but Statement II is incorrect
- (4) Statement I is incorrect but Statement II is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन (I) : आकलन अधिगम को प्रेरित करता है।

कथन (II) : रचनात्मक आकलनों में प्रतिपुष्टि देने की आवश्यकता नहीं है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) कथन I और II दोनों सही हैं।
- (2) कथन I और II दोनों गलत हैं।
- (3) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
- (4) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

- 1[Option ID=10029]
- 2[Option ID=10030]
- 3[Option ID=10031]
- 4[Option ID=10032]

Sl. No.9

QBID:1501009

According to Dewry, education is a

- (1) Social need
- (2) Personal need
- (3) Status need
- (4) Financial need

इयोरी के अनुसार शिक्षा है:

- (1) सामाजिक आवश्यकता
- (2) व्यक्तिगत आवश्यकता
- (3) स्थिति (स्टेटस) आवश्यकता
- (4) वित्तीय आवश्यकता

- 1[Option ID=10033]
- 2[Option ID=10034]
- 3[Option ID=10035]
- 4[Option ID=10036]

Sl. No.10

QBID:1501010

Pandit Madan Mohan Malaviya National Mission on Teachers and Teaching has various components. Which of the following is not a component under this scheme?

- (1) Inter University Centres of UGC
- (2) Faculty Development Centers (FDCs)
- (3) Teaching Learning Centres (TLCs)
- (4) School Of Education (SOE)

शिक्षकों एवं शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन के विभिन्न घटक हैं। निम्नलिखित में से कौन सा इस योजना का घटक नहीं है

- (1) यू जी सी के अन्तर्विश्वविद्यालय केन्द्र
- (2) फेकल्टी विकास केन्द्र (एफ डी सी)
- (3) शिक्षण अधिगम केन्द्र (टी एल सी)
- (4) शिक्षा संकाय (एस ओ ई)

1[Option ID=10037]

2[Option ID=10038]

3[Option ID=10039]

4[Option ID=10040]

Sl. No.11

QBID:1501011

Which of the following are the features of case study method?

- (A) It is appreciative
- (B) It is particularistic
- (C) It is descriptive
- (D) It is inductive
- (E) It is mechanical

Choose the most appropriate answer from the options given below :

- (1) (A), (B), (C) only
- (2) (B), (C), (D) only
- (3) (C), (D), (E) only
- (4) (A), (D), (E) only

प्रकरण (केस) अध्ययन पद्धति की विशेषताएँ निम्नलिखित में से कौन सी हैं?

(A) यह प्रशंसनात्मक है।

(B) यह विशष्टापरक है।

(C) यह विवरणात्मक है।

(D) यह आगमनात्मक है।

(E) यह यांत्रिक है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त का चयन कीजिए :

(1) केवल (A), (B), (C)

(2) केवल (B), (C), (D)

(3) केवल (C), (D), (E)

(4) केवल (A), (D), (E)

1[Option ID=10041]

2[Option ID=10042]

3[Option ID=10043]

4[Option ID=10044]

Sl. No.12

QBID:1501012

Which of the following are remote data collection procedures?

(A) Third party interview

(B) Pop-ups

(C) Data base e-mail

(D) Instant messaging

(E) Panel discussions

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (A), (B), (C) only

(2) (B), (C), (D) only

(3) (C), (D), (E) only

(4) (A), (B), (E) only

निम्नलिखित में से दूरस्थ ऑकड़ा संग्रहण की प्रक्रियाएँ कौन सी हैं?

(A) थर्ड पार्टी इंटरव्यू (तृतीय पक्ष साक्षात्कार)

(B) पाप-अप्स

(C) डाटा बेस ईमेल

(D) इंस्टैन्ट मैसेजिंग (तात्कालिक संदेशन)

(E) पैनल डिस्कशन (नामिका परिचर्चा)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) केवल (A), (B), (C)

(2) केवल (B), (C), (D)

(3) केवल (C), (D), (E)

(4) केवल (A), (D), (E)

1[Option ID=10045]

2[Option ID=10046]

3[Option ID=10047]

4[Option ID=10048]

Sl. No.13

QBid:1501013

To perform t-test which of the following softwares can be utilized?

- (A) MS Excel
- (B) Unix
- (C) SPSS
- (D) MS Equations

Choose the most appropriate answer from the options given below :

- (1) (A) and (B) only
- (2) (B), (C) and (D) only
- (3) (A) and (C) only
- (4) (A), (C) and (D) only

टी-परीक्षण करने हेतु निम्नलिखित में से कौन सा सॉफ्टवेयर प्रयुक्त किया जा सकता है?

- (A) एम. एस. एक्सेल
- (B) यूनिक्स
- (C) एस पी एस एस
- (D) एम. एस. इक्वेशन्स

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) केवल (A) और (B)
- (2) केवल (B), (C) और (D)
- (3) केवल (A) और (C)
- (4) केवल (A), (C) और (D)

1[Option ID=10049]

2[Option ID=10050]

3[Option ID=10051]

4[Option ID=10052]

Sl. No.14

QBid:1501014

Match List I with List II

List I

Types of Research

- (A) Cohort analysis
- (B) Cultivation analysis
- (C) Factor analysis
- (D) Canonical analysis

List II

Research Characteristic

- (I) Study of a specific population as it undergoes change over time.
- (II) Simultaneous analysis of two or more data tables.
- (III) Analysis of perceptions of social world.
- (IV) A multivariate statistical test used for data reduction.

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)

(2) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(3) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)

(4) (A)-(I), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(II)

सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए :

सूची-I

शोध के प्रकार

(A) सहगण विश्लेषण

(B) कल्टीवेशन (संस्कृति) विश्लेषण

(C) कारक विश्लेषण

(D) प्रामाणिक विश्लेषण

सूची-II

शोध की विशेषताएं

(I) समय के साथ बदलती हुई, एक विशेष जनसँख्या का अध्ययन

(II) दो या अधिक आँकड़ा सारणियों का साथ-साथ विश्लेषण

(III) सामाजिक जगत के प्रत्यक्षण का विश्लेषण

(IV) आँकड़ों के लघुकरण हेतु बहुचर साँचिकीय परीक्षण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)

(2) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(3) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)

(4) (A)-(I), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(II)

1[Option ID=10053]

2[Option ID=10054]

3[Option ID=10055]

4[Option ID=10056]

Sl. No.15

QBID:1501015

The measures of inter-coder reliability are employed in research related to

(1) Discourse analysis

(2) Narrative analysis

(3) Path analysis

(4) Content analysis

इंटर-कोडर विश्वसनीयता के मानदंडों का प्रयोग निम्न से संबंधित शोध में होता है:

(1) विमर्श विश्लेषण

(2) वृत्तांत विश्लेषण

(3) पथ विश्लेषण

(4) विषय-वस्तु विश्लेषण

1[Option ID=10057]

2[Option ID=10058]

3[Option ID=10059]

4[Option ID=10060]

Sl. No.16

QBID:1501016

Transforming ideas, thoughts and messages into verbal and non-verbal signs and symbols is known as

(1) Channelisation

(2) Controlled communication

(3) Encoding

(4) Decoding

धारणाओं, विचारों और संदेशों का मौखिक एवं गैर-मौखिक प्रतीकों में रूपांतरण किस नाम से जाना जाता है ?

(1) मार्गिकरण (चैनलाइज़ेशन)

(2) नियंत्रित सम्प्रेषण

(3) कूटलोग्वन

(4) विकूटन

1[Option ID=10061]

2[Option ID=10062]

3[Option ID=10063]

4[Option ID=10064]

Sl. No.17

QBID:1501017

Which of the following are the effects of oral communication?

(A) Fragmented information

(B) Personal connect

(C) Feed back

(D) Objectivity

(E) Absence of interpretation

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (A) and (B) only

(2) (A), (B) and (C) only

(3) (B) and (C) only

(4) (C), (D) and (E) only

निम्नलिखित में से कौन से मौखिक सम्प्रेषण के प्रभाव हैं?

(A) खंडात्मक सूचना

(B) वैयक्तिक संबंध

(C) प्रतिपुष्टि (फीडबैक)

(D) वस्तुनिष्ठता

(E) व्याख्या का अभाव

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) केवल (A) और (B)

(2) केवल (A), (B) और (C)

(3) केवल (B) और (C)

(4) केवल (C), (D) और (E)

1[Option ID=10065]

2[Option ID=10066]

3[Option ID=10067]

4[Option ID=10068]

Sl. No.18

QBID:1501018

Given below are two statements :

Statement I : The psychological obstacle in communication can be seen when the receiver fails to refer language to reality and experience.

Statement II : The stereotypes held by one also contribute to the failure of language to reflect social reality.

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:

- (1) Both Statement I and Statement II are true
- (2) Both Statement I and Statement II are false
- (3) Statement I is true but Statement II is false
- (4) Statement I is false but Statement II is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन (I) : सम्प्रेषण में मनोवैज्ञानिक बाधा तब देखी जा सकती है, जब ग्रहणकर्ता यथार्थ एवं अनुभव को भाषा का संदर्भ देने में विफल रहता है।

कथन (II) : किसी व्यक्ति के रूढ़ प्ररूप सामाजिक यथार्थता को प्रतिबिंబित करने में भाषा की विफलता में भी योगदान करते हैं।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) कथन I और II दोनों सत्य हैं।
- (2) कथन I और II दोनों असत्य हैं।
- (3) कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
- (4) कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

1[Option ID=10069]

2[Option ID=10070]

3[Option ID=10071]

4[Option ID=10072]

Sl. No.19

QBid:1501019

Identify the correct sequence of the elements of communication set by Aristotle:

- (A) Speech
- (B) Speaker
- (C) Audience
- (D) Occasion
- (E) Effect

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (A), (D), (B), (C), (E)
- (2) (D), (B), (A), (E), (C)
- (3) (C), (D), (A), (E), (B)
- (4) (B), (A), (D), (C), (E)

असन्तृप्त विवरण के तत्वों के सही क्रम की पहचान कीजिए :

- (A) भाषण
- (B) वक्ता
- (C) श्रोता
- (D) अवसर
- (E) प्रभाव

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) (A), (D), (B), (C), (E)
- (2) (D), (B), (A), (E), (C)

(3) (C), (D), (A), (E), (B)

(4) (B), (A), (D), (C), (E)

1[Option ID=10073]

2[Option ID=10074]

3[Option ID=10075]

4[Option ID=10076]

Sl. No.20

QBID:1501020

Match List I with List II :

List I	List II
Types of Communication Effects	Source of Service
(A) Instrumental	(I) Author's observation
(B) Prestige	(II) A range of special requests
(C) Reinforcement	(III) Sentimental fiction
(D) Aesthetic	(IV) Factual reports

Choose the correct answer from the options given below:

(1) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(2) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)

(3) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)

(4) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(III)

सूची I के साथ सूची II का मिलान कीजिए।

सूची I	सूची II
सम्प्रेषण के प्रभाव के प्रकार	सेवा का स्रोत
(A) सहायक	(I) लेखक का अवलोकन
(B) प्रतिष्ठा	(II) विशेष अनुरोधों की एक सेन्ज
(C) पुनर्बल्तन	(III) भावपूर्ण कथा-साहित्य
(D) सौदर्यपरक	(IV) तथ्यात्मक रिपोर्टें

दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(2) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)

(3) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)

(4) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(III)

1[Option ID=10077]

2[Option ID=10078]

3[Option ID=10079]

4[Option ID=10080]

Sl. No.21

QBID:1501021

Find the wrong term in the series given below:

16, 22, 30, 45, 52, 66,

(1) 22

(2) 30

(3) 66

(4) 45

नीचे दी गई श्रृंखला में गलत पद का पता लगाइए?

16, 22, 30, 45, 52, 66,

(1) 22

(2) 30

(3) 66

(4) 45

1[Option ID=10081]

2[Option ID=10082]

3[Option ID=10083]

4[Option ID=10084]

Sl. No.22

QBID:1501022

If the word EARTH be written as QPMZS in coded form, how can the word HEART be written in the same code?

(1) SPMZQ

(2) SQMPZ

(3) SPMQZ

(4) SQPMZ

यदि शब्द - EARTH को कूट रूप में QPMZS लिखा जाता है तो HEART को उसी कूट में किस प्रकार लिखा जा सकता है?

(1) SPMZQ

(2) SQMPZ

(3) SPMQZ

(4) SQPMZ

1[Option ID=10085]

2[Option ID=10086]

3[Option ID=10087]

4[Option ID=10088]

Sl. No.23

QBID:1501023

Compute the value of $\frac{(0.35)^2 - (0.03)^2}{0.19}$ upto 3 decimal places:

(1) 0.064

(2) 0.64

(3) 0.006

(4) 0.694

$\frac{(0.35)^2 - (0.03)^2}{0.19}$ के मान की दशमलव के तीन स्थानों तक गणना कीजिए।

(1) 0.064

(2) 0.64

(3) 0.006

(4) 0.694

1[Option ID=10089]

2[Option ID=10090]

3[Option ID=10091]

4[Option ID=10092]

Sl. No.24

QBID:1501024

10 chairs and 5 tables were purchased for Rs. 17,500. If the average cost of a chair is

Rs.1000, What is the average cost of a table?

(1) Rs. 1,400

(2) Rs. 1,200

(3) Rs. 1,100

(4) Rs. 1,500

10 कुर्सियाँ और 5 मेजों को रु 17,500 में खरीदा गया। यदि एक कुर्सी की औसत कीमत 1000 रु है; तब एक मेज की

कीमत औसत क्या है?

(1) रु. 1,400

(2) रु. 1,200

(3) रु. 1,100

(4) रु. 1,500

1[Option ID=10093]

2[Option ID=10094]

3[Option ID=10095]

4[Option ID=10096]

Sl. No.25

QBID:1501025

An Aeroplane started 30 minutes later than the scheduled time from a place 1500 km

away from its destination. To reach the destination at the scheduled time the pilot needed
to increase the speed by 250 km/hr. What was the speed of the Aeroplane during journey?

(in km/hr).

(1) 750

(2) 1000

(3) 800

(4) 900

एक हवाई जहाज ने अपने गंतव्य से 1500 कि.मी. की दूरी पर किसी स्थान से अपने निर्धारित समय से 30 मिनट की देरी से

उड़ा प्रारंभ किया। अपने गंतव्य पर निर्धारित समय से पहुँचने हेतु पायलट को गति में 250 किमी. प्रति घंटे की दर से वृद्धि

करनी आवश्यक हुयी। यात्रा के दौरान हवाई जहाज की गति कितनी थी (किमी./घंटा में)?

(1) 750

(2) 1000

(3) 800

(4)

1[Option ID=10097]
 2[Option ID=10098]
 3[Option ID=10099]
 4[Option ID=10100]

Sl. No.26
QBID:1501026

In classical square of opposition if 'No S is P' is given as false then which of the following could be immediately inferred from it?

- (A) 'Some S is not P' is true
- (B) 'All S is P' is undetermined
- (C) 'Some S is not P' is undetermined
- (D) 'Some S is P' is true
- (E) 'Some S is not P' is false

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (B), (D) and (E) only
- (2) (A), (B) and (D) only
- (3) (A), (D) and (E) only
- (4) (B), (C) and (D) only

विद्युति के क्लासिकीय वर्ग में यदि 'कोई S, P नहीं है', असल के रूप में दिया हो तब निम्नलिखित में से इससे कौन-सा सीधे तौर पर अनुमान लगाया जा सकता है।

- (A) 'कुछ S, P नहीं है', सत्य है
- (B) 'सभी S, P हैं', अनिर्धारित है।
- (C) 'कुछ S, P नहीं है', अनिर्धारित है।
- (D) 'कुछ S, P हैं', सही है
- (E) 'कुछ S, P नहीं है', गलत है

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) केवल (B), (D) और (E)
- (2) केवल (A), (B) और (D)
- (3) केवल (A), (D) और (E)
- (4) केवल (B), (C) और (D)

1[Option ID=10101]

2[Option ID=10102]
3[Option ID=10103]
4[Option ID=10104]

Sl. No.27
QBID:1501027

Which Fallacy is committed in the following argument?

“Smooth Sailing is all that's there to LIFE with ABC Insurance Policy.”

- (1) The Appeal to Emotion
- (2) The Appeal to Pity
- (3) The Appeal to Force
- (4) Irrelevant Conclusion

निम्नलिखित युक्ति में कौन-सा दोष व्याप्त है?
‘ए. बी. सी. बीमा पॉलिसी के साथ जीवन-यापन सुगम होता है’

- (1) भावना के लिए आग्रह
- (2) दया के लिए आग्रह
- (3) बल के लिए आग्रह
- (4) अप्रासंगिक निष्कर्ष

1[Option ID=10105]
2[Option ID=10106]
3[Option ID=10107]
4[Option ID=10108]

Sl. No.28
QBID:1501028

Given below are two statements :

Statement I : To draw an analogy between two or more entities is to indicate one or more respects in which they are similar.

Statement II : Every analogical inference proceeds from the similarity of two or more things in one or more respects to the similarity of those things in some further respect.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

- (1) Both Statement I and Statement II are correct
- (2) Both Statement I and Statement II are incorrect
- (3) Statement I is correct but Statement II is incorrect
- (4) Statement I is incorrect but Statement II is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन (I) : दो या अधिक सत्ताओं के मध्य अनुरूपता को बनाना एक या अधिक पहलुओं में उनकी समानता की तरफ इंगित करता है।

कथन (II) : प्रत्येक सादृश्यमूलक अनुमान एक या उससे अधिक पहलुओं में दो या उससे अधिक वस्तुओं की समानता से उन वस्तुओं के किसी अतिरिक्त पहलू की समानता की ओर अग्रसर होता है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) कथन I और II दोनों सही हैं।

- (2) कथन I और II दोनों गलत हैं।
- (3) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
- (4) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

1[Option ID=10109]
 2[Option ID=10110]
 3[Option ID=10111]
 4[Option ID=10112]

Sl. No.29
QBID:1501029

Given below are two statements :

Statement I : For the Classical Indian thinkers, inference (anumāna) means only syllogistic inference.

Statement II : Unlike Aristotelian Syllogism, anumāna involves four steps instead of three.

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:

- (1) Both Statement I and Statement II are true
- (2) Both Statement I and Statement II are false
- (3) Statement I is true but Statement II is false
- (4) Statement I is false but Statement II is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन (I) : क्लासिकी भारतीय चिंतकों के लिए अनुमान का अर्थ केवल न्यायबद्ध अनुमान से है।

कथन (II) : अरस्तूवादी न्यायवाक्य से विपरीत अनुमान में तीन के बजाय चार चरण शामिल होते हैं।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) कथन I और II दोनों सत्य हैं।
- (2) कथन I और II दोनों असत्य हैं।
- (3) कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
- (4) कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

1[Option ID=10113]
 2[Option ID=10114]
 3[Option ID=10115]
 4[Option ID=10116]

Sl. No.30
QBID:1501030

Which of the following means of knowledge involves positing of something for making any unit of cognition self-complete?

- (1) Comparison (Upamāna)
- (2) Postulation (Arthāpatti)
- (3) Non-Cognition (Anupalabdhī)
- (4) Verbal Testimony (Śabda)

ज्ञान के निम्नलिखित साधनों में से किस में बोध की कोई भी ईकाई की स्वपूर्णता निर्मित करने हेतु कुछ मान लेना शामिल होता है?

- (1)

उपमान

(2) अर्थापति

(3) अनुपलब्धि

(4) शब्द

1[Option ID=10117]

2[Option ID=10118]

3[Option ID=10119]

4[Option ID=10120]

Sl. No.31

QBID:1501031

With respect to data communication, which of the following statements is true about fibre optic cable?

- (1) Fibre optic cable carries data in pulses of light and is prone to interference.
- (2) Fibre optic cable carries data as electronic signals and is not prone to interference.
- (3) Fibre optic cable carries data as electronic signals and is prone to interference.
- (4) Fibre optic cable carries data in pulses of light and is not prone to interference.

डाटा (ऑकड़ा) संचार के संदर्भ में, फाइबर ऑप्टिक केबल के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

- (1) फाइबर ऑप्टिक केबल प्रकाश स्पंद में ऑकड़े ले जाता है और यह व्याघात उन्मुख है।
- (2) फाइबर ऑप्टिक केबल इलैक्ट्रॉनिक संकेतकों के रूप में ऑकड़े ले जाता है और यह व्याघात उन्मुख है।
- (3) फाइबर ऑप्टिक केबल इलैक्ट्रॉनिक संकेतकों के रूप में ऑकड़े ले जाता है और यह व्याघात उन्मुख है।
- (4) फाइबर ऑप्टिक केबल प्रकाश स्पंद में ऑकड़े ले जाता है और यह व्याघात उन्मुख नहीं है।

1[Option ID=10121]

2[Option ID=10122]

3[Option ID=10123]

4[Option ID=10124]

Sl. No.32

QBID:1501032

Arrange the following computer memory types from fastest to slowest speed:

- (A) Hard Disk
- (B) Main Memory (RAM)
- (C) CD-ROM
- (D) CPU Registers
- (E) Cache Memory

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (D), (E), (A), (B), (C)
- (2) (A), (C), (B), (D), (E)
- (3) (E), (D), (B), (A), (C)
- (4) (D), (E), (B), (A), (C)

कंप्यूटर स्मृति के निम्नलिखित प्रकारों को तीव्रतम से मंदगति के क्रम में लिखिए :

- (A) हार्ड डिस्क
- (B) मुख्य स्मृति (आर ए एम)
- (C) सी डी - आर ओ एम
- (D) सी पी यू रजिस्टर
- (E) काशे स्मृति (काशे मेमोरी)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) (D), (E), (A), (B), (C)
- (2) (A), (C), (B), (D), (E)
- (3) (E), (D), (B), (A), (C)
- (4) (D), (E), (B), (A), (C)

1[Option ID=10125]
2[Option ID=10126]
3[Option ID=10127]
4[Option ID=10128]

Sl. No.33
QBID:1501033

Which of the following statements about malware are true?

- (A) A Trojan Horse is malware disguised as legitimate software.
- (B) A Virus inserts itself into another program. It runs and spreads itself when the program is opened.
- (C) A worm is similar to a virus except that it does not need a program in order to run. It spreads by itself.

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (A) and (B) only
- (2) (A) and (C) only
- (3) (B) and (C) only
- (4) (A), (B) and (C)

मालवेयर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन सा कथन सही है?

- (A) ट्रोजन हॉर्स एक मालवेयर है जो वैध सॉफ्टवेयर के छद्मवेश में होता है।
- (B) वाइरस किसी दूसरे प्रोग्राम में स्वयं घुस जाता है। जब प्रोग्राम खोला जाता है तो यह इसमें चलने और फैलने लगता है।
- (C) कृमि एक वायरस के समान होता है। इसमें अंतर सिर्फ यह होता है कि इसको चलने के लिए प्रोग्राम की आवश्यकता नहीं होती। यह स्वयं फैलता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) केवल (A) और (B)
- (2) केवल (A) और (C)
- (3) केवल (B) और (C)
- (4) केवल (A), (B) और (C)

1[Option ID=10129]
2[Option ID=10130]
3[Option ID=10131]
4[Option ID=10132]

Sl. No.34
QBID:1501034

Match List I with List II

List I (File)	List II (File Format)
(A) Video	(I) .xlsx
(B) Podcast	(II) .jpg
(C) Photograph	(III) .mp4
(D) Spreadsheet	(IV) .mp3

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (A)-(III), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(I)
- (2) (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(I)
- (3) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)
- (4) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(III)

सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए :

सूची-I

फाइल

सूची-II

फाइल फार्मेट

- | | |
|----------------|-------------------|
| (A) वीडियो | (I) .एक्सएलएसएक्स |
| (B) पोडकास्ट | (II) .जेरीजी |
| (C) फोटोग्राफ | (III) .एमपी4 |
| (D) स्प्रैडशीट | (IV) .एमपी3 |

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) (A)-(III), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(I)
- (2) (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(I)
- (3) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)
- (4) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(III)

1[Option ID=10133]

2[Option ID=10134]

3[Option ID=10135]

4[Option ID=10136]

Sl. No.35

QBID:1501035

In the following spreadsheet, which of the formulae below would be best for cell C2? Note that the formula must be able to be copied down from C2 to both C3 and C4.

	A	B	C
1	Lunch Cost (Rs.)	Dinner Cost (Rs.)	Total Cost (Rs.)
2	15	27	42
3	23	35	58
4	10	35	45

- (1) = A\$2 + \$B2
- (2) = \$A\$2 + B2
- (3) = \$A\$2 + \$B\$2
- (4) = \$A2 + \$B2

निम्नलिखित विस्तार शीट (स्प्रेडशीट) में, निम्नलिखित में कौन-सा सूत्र (फार्मूला) सेल सी 2 के लिए सर्वोत्तम रहेगा ? नोट करें कि फार्मूला, सी 2 से सी 3 और सी 4 दोनों में कॉपी हो सके।

	ए	बी	सी
1	मध्यान्ह भोजन लागत (₹.)	रात्रि भोजन लागत (₹.)	कुल लागत (₹.)
2	15	27	42
3	23	35	58
4	10	35	45

(1) = ए\$2 + \$बी2

(2) = \$ए\$2 + बी2

(3) = \$ए\$2 + \$बी\$2

(4) = \$ए2 + \$बी2

1[Option ID=10137]

2[Option ID=10138]

3[Option ID=10139]

4[Option ID=10140]

Sl. No.36

QBID:1501036

Given below are two statements : One is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R) :

Assertion (A) : Soil Pollution due to detergents affects the root growth of the plants and depresses the growth of soil micro-organisms.

Reason (R) : Presence of detergents in soil makes the soil more acidic.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below :

- (1) Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A)
- (2) Both (A) and (R) are correct but (R) is NOT the correct explanation of (A)
- (3) (A) is correct but (R) is not correct
- (4) (A) is not correct but (R) is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में :

अभिकथन (A) : अपमार्जकों (डिटरजेंट) के कारण हुए मृदा प्रदूषण से पौधों के मूल विकास पर प्रभाव पड़ता है और मृदा की सूक्षक जीवों के विकास को भी कम कर देता है।

कारण (R) : मृदा में डिटरजेंट की उपस्थिति मृदा को अधिक अम्लीय बना देता है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
- (2) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
- (3) (A) सही है, लेकिन (R) सही नहीं है।
- (4) (A) सही नहीं है, लेकिन (R) सही है।

1[Option ID=10141]
2[Option ID=10142]
3[Option ID=10143]
4[Option ID=10144]

Sl. No.37
QBID:1501037

Examples of Persistent Organic Pollutants (POPs) are:

- (A) Dioxins
- (B) PAN
- (C) VOC
- (D) FURANS
- (E) PCB

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (A), (D), (E) only
- (2) (A), (B), (D) only
- (3) (B), (C), (E) only
- (4) (C), (D), (E) only

सतत जैव प्रदूषकों (POPs) के उदाहरण हैं :

- (A) डायोक्सिन्स
- (B) पीएन (PAN)
- (C) वी ओ सी (VOC)
- (D) फ्लूरांस
- (E) पी सी बी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) केवल (A), (D), (E)
- (2) केवल (A), (B), (D)
- (3) केवल (B), (C), (E)
- (4) केवल (C), (D), (E)

1[Option ID=10145]

2[Option ID=10146]

3[Option ID=10147]

4[Option ID=10148]

Sl. No.38

QBID:1501038

In the first commitment period of Kyoto Protocol, how many green house gases were covered for reducing their emissions?

- (1) 4
- (2) 5
- (3) 6
- (4) 7

क्योटो प्रोटोकॉल की प्रथम प्रतिबद्धता अवधि में कितने ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए आवरित किया गया था ?

- (1) 4
- (2) 5
- (3) 6
- (4) 7

1[Option ID=10149]

2[Option ID=10150]

3[Option ID=10151]

4[Option ID=10152]

Sl. No.39

QBID:1501039

Given below are two statements : One is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R) :

Assertion (A) : Green hydrogen production will be critical for world community to achieve carbon neutrality by the year 2050.

Reason (R) : The energy content of hydrogen gas is much higher than that of coal.

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below :

- (1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)
- (2) Both (A) and (R) are true but (R) is NOT the correct explanation of (A)
- (3) (A) is true but (R) is false
- (4) (A) is false but (R) is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में :

अभिकथन (A) : विश्व समुदाय के लिए 2050 तक कार्बन निरपेक्षता प्राप्त करने हेतु हरित हाइड्रोजन का उत्पादन निर्णायक होगा।

कारण (R) : इंडिग्रोजन गैस की ऊर्जा मात्रा कोयले की अपेक्षा बहुत अधिक होती है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
- (2) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
- (3) (A) सत्य है, लेकिन (R) असत्य नहीं है।
- (4) (A) असत्य है, लेकिन (R) सत्य है।

1[Option ID=10153]

2[Option ID=10154]

3[Option ID=10155]

4[Option ID=10156]

Sl. No.40

QID:1501040

Since the start of industrial revolution, the acidity of ocean's surface water has

- (1) increased by ~10%
- (2) remained constant
- (3) decreased by ~25%
- (4) increased by ~30%

औद्योगिक क्रांति की शुरुआत से समुद्र के सतही जल की अम्लता -

- (1) ~10% बढ़ गयी है
- (2) यथावत है
- (3) ~25% कम हो गयी है
- (4)

~30% बढ़ गयी है

- 1[Option ID=10157]
- 2[Option ID=10158]
- 3[Option ID=10159]
- 4[Option ID=10160]

Sl. No.41
QBID:1501041

A Government University with Institute of Eminence status can have foreign faculty upto a maximum of

- (1) 20% of total faculty strength
- (2) 25% of total faculty strength
- (3) 30% of total faculty strength
- (4) 35% of total faculty strength

लघु प्रतिष्ठित संस्थान की स्थिति प्राप्त शासकीय विश्वविद्यालय में अधिकतम कितने विदेशी शिक्षक रखे जा सकते हैं?

- (1) कुल शिक्षकों की संख्या का 20%
- (2) कुल शिक्षकों की संख्या का 25%
- (3) कुल शिक्षकों की संख्या का 30%
- (4) कुल शिक्षकों की संख्या का 35%

- 1[Option ID=10161]
- 2[Option ID=10162]
- 3[Option ID=10163]
- 4[Option ID=10164]

Sl. No.42
QBID:1501042

Credits earned by a student and stored in Academic Bank of Credit, after the date of earning such credits, will have validity upto a maximum of

- (1) 7 years
- (2) 10 years
- (3) 12 years
- (4) 15 years

किसी छात्र द्वारा अर्जित और अकादमिक क्रेडिट बैंक में जमा क्रेडिट, प्राप्त करने की तिथि के पश्चात, अधिकतम कब तक के लिये वैध होंगे?

- (1) 7 वर्षों के लिए
- (2) 10 वर्षों के लिए
- (3) 12 वर्षों के लिए
- (4) 15 वर्षों के लिए

- 1[Option ID=10165]
- 2[Option ID=10166]
- 3[Option ID=10167]
- 4[Option ID=10168]

Sl. No.43
QBID:1501043

Identify the statutory bodies of a University:

- (A) Board of studies
- (B) Academic Council
- (C) Executive Council
- (D) Finance Committee
- (E) University Court

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (A), (B), (C), (D) only
- (2) (A), (C) only
- (3) (A), (C), (E) only
- (4) (B), (C), (D), (E) only

विश्वविद्यालय के सांविधिक निकायों को चिन्हित कीजिए :

- (A) अध्ययन मंडल
- (B) शैक्षिक परिषद
- (C) कार्यकारी परिषद
- (D) वित्त समिति
- (E) विश्वविद्यालय कोर्ट

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) केवल (A), (B), (C), (D)
- (2) केवल (A), (C)
- (3) केवल (A), (C), (E)
- (4) केवल (B), (C), (D), (E)

1[Option ID=10169]
2[Option ID=10170]
3[Option ID=10171]
4[Option ID=10172]

Sl. No.44
QBid:1501044

Environmental education must be integral to all academic programmes as students need to be mainly sensitized about

- (1) its interdisciplinary and multidisciplinary nature
- (2) its emergence as a specialized field
- (3) relationship between culture and environment

(4) environmental degradation and its consequences for life on earth

पर्यावरणी शिक्षा आवश्यक रूप से सभी शैक्षिक कार्यक्रमों का अनिवार्य अंग होना चाहिए जिससे छात्रों को निम्न के बारे में मुख्यतः जागरूक बनाया जा सके:

- (1) इसकी अंतर्विषयी और बहुविषयी प्रकृति
- (2) इसका विशेष क्षेत्र के रूप में आविर्भाव
- (3) संस्कृति और पर्यावरण के मध्य संबंध
- (4) पर्यावरणी निम्नीकरण और पृथ्वी पर जीवन के लिए इसका परिणाम

1[Option ID=10173]

2[Option ID=10174]

3[Option ID=10175]

4[Option ID=10176]

Sl. No.45

QBID:1501045

'How could a lamp, which does not keep on burning, light another lamp?' This statement is from the book titled 'Siksha (learning). Who among the following is the author of this book?

- (1) Rabindranath Tagore
- (2) Sarvapalli Radhakrishnan
- (3) Jyoti Phule
- (4) Savitribai Phule

'कोई दीपक जब स्वयं नहीं जल रहा है, किसी अन्य दीपक को कैसे जला सकता है?' यह कथन शिक्षा (सीखना) शीर्षक पुस्तक से है। निम्नलिखित में से इस पुस्तक के लेखक कौन हैं?

- (1) रबीन्द्रनाथ टैगर
- (2) सर्वपल्ली राधाकृष्णन
- (3) ज्योतिबा फुले
- (4) सावित्री बाई फुले

1[Option ID=10177]

2[Option ID=10178]

3[Option ID=10179]

4[Option ID=10180]

Sl. No.46

QBID:1501046

Read the following passage and answer the questions :

An essential function of hegemony involves convincing people to support the existence of a social system that does not support them in return. Marginalised groups do not often protest or revolt against ideologies that overwhelmingly support privileged groups because, on some level, they consent to being dominated. This statement prompts an immediate question: Why would anyone consent to such an arrangement? While dominant ideologies may reflect the desires and interests of socially powerful groups, for these ideologies to remain dormant or hegemonic, they must also feature an additional promise. It is in the best interest of the marginalized groups to accept these beliefs as well. Put another way, members of socially powerful groups act to have their world view accepted as the universal way of thinking, and members outside these groups come to accept some of these ideologies because they appear beneficial in some way. This is referred to as a process of spontaneous consent because it is typically informal or unnoticed. The best way to understand the spontaneous consent of hegemony is through an example. A number of ideological components within a nation's higher education system may not be in the best interests of students. One dominant belief suggests that college students should pay for their own education. Despite being affected by the belief, they accept it, and the ideology survives. When such consent fails, however, the concept of hegemony also explains how dominant ideologies evolve to contain this failure through a process of flexible appropriation. In such a situation, it is likely that dominant cultural institutions will absorb any challenging beliefs, integrate them into the hegemonic matrix, and re-establish the previous norm. As a result, hegemonic systems never go away. They simply change form through a process of constant give and take between social group. Hegemonic ideological structures maintain control in part through the never-ending process of integration and appropriation of marginalised ideologies.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्न संख्या 46 से 50 तक के उत्तर दीजिए :

आधिपत्य के एक आवश्यक कार्य में एक सामाजिक व्यवस्था के अस्तित्व के प्रति समर्थन देने के लिए लोगों को आश्वस्त करना शामिल है, जो बदले में उनका समर्थन नहीं करती है। सीमांत समूह प्रायः उन विचारधाराओं का विरोध या उनके प्रति विद्रोह नहीं करते, जो विशेषाधिकार-प्राप्त समूहों का अत्यधिक समर्थन करती हैं, क्योंकि वे किसी स्तर पर आधिपत्य जमाने देने पर सहमत होने दे रहे होते हैं। इस कथन से तत्काल प्रश्न खड़ा होता है। कोई भी व्यक्ति क्यों इस प्रकार की व्यवस्था के प्रति सहमत होता है? जबकि वर्चस्वकारी विचारधाराएं सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूहों की इच्छाओं और हितों को प्रतिबिंబित करती हैं, इन विचारधाराओं के प्रसुप्त या आधिपत्यवादी बने रहने के लिए उनमें एक अतिरिक्त वचन देने की विशेषता भी आवश्यक है। सीमांत समूहों का श्रेष्ठ हित इन धारणाओं को स्वीकार करने में भी है। अन्य तरीके से कहा जाए तो सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूह उनके वैश्विक दृष्टिकोण को सार्वभौमिक चिंतन के तरीके के रूप में स्वीकार करने के लिए कार्य करते हैं और इन समूहों के बाहर के सदस्य इन विचारधाराओं को स्वीकार करने लगते हैं क्योंकि ये उन्हें किसी तरीके से लाभप्रद लगती हैं। इसे स्वतः स्फूर्त सहमति की एक प्रक्रिया के रूप में संदर्भित किया जाता है क्योंकि यह विशिष्ट रूप से अनौपचारिक है या उस पर ध्यान नहीं जाता। आधिपत्य के प्रति स्वतः स्फूर्त सहमति को एक उदाहरण के माध्यम से श्रेष्ठ तरीके से समझा जा सकता है। किसी देश की उच्च शिक्षा प्रणाली के भीतर अनेक वैचारिक घटक विद्यार्थियों के सर्वोत्तम हितों में नहीं हो सकते हैं। एक वर्चस्वकारी धारणा सुझाती है कि कॉलेज के विद्यार्थियों को अपनी स्वयं की शिक्षा का भुगतान करना चाहिए। इस धारणा से प्रभावित होने के बावजूद वे इसे स्वीकार कर लेते हैं और यह विचारधारा बनी रहती है। लेकिन, जब इस प्रकार की सहमति विफल हो जाती है तो आधिपत्य की अवधारणा स्पष्ट करती है कि किस प्रकार वर्चस्वकारी विचारधाराएं लचीले विनियोजन की प्रक्रिया के माध्यम से इस विफलता को रोकने के लिए विकसित होती हैं। इस तरह की स्थिति में यह संभावना है कि वर्चस्वकारी सांस्कृतिक संस्थाएं किसी चुनौतीपूर्ण धारणा को आत्मसात करेंगी उन्हें आधिपत्यवादी मैट्रिक्स में एकीकृत करेंगी और पूर्ववर्ती मानक को पुनः स्थापित करेंगी। परिणामस्वरूप आधिपत्यवादी प्रणालियाँ कभी भी लुप्त नहीं होतीं। वे सामाजिक समूहों के बीच निरंतर लेन-देन की प्रक्रिया के माध्यम से केवल रूप बदलती हैं। आधिपत्यवादी वैचारिक संरचनाएं आंशिक रूप से सीमांत विचारधाराओं के एकीकरण और विनियोजन की कभी भी न समाप्त होने वाली प्रक्रिया के माध्यम से नियंत्रण बनाए रखती हैं।

Despite hegemony, why marginalised people do not protest?

- (1) Because they are too weak.
- (2) They are not bothered being dominated.
- (3) Privileged groups forcefully suppress them.
- (4) Because of the promise that the dominant ideology is in their best interest.

सीमांत लोग आधिपत्य के बावजूद विरोध क्यों नहीं करते हैं?

- (1) क्योंकि वे अत्यधिक कमज़ोर हैं।
- (2)

उन्हें आधिपत्य में रहने के बारे में चिंता नहीं है।

(3) विशेषाधिकार-प्राप्त समूह बलपूर्वक उनका दमन करते हैं।

(4) इस वचन के कारण से कि वर्चस्वकारी विचार धारा उनके सर्वोत्तम हित में है।

1[Option ID=10181]

2[Option ID=10182]

3[Option ID=10183]

4[Option ID=10184]

Sl. No.47

QBID:1501047

Read the following passage and answer the questions :

An essential function of hegemony involves convincing people to support the existence of a social system that does not support them in return. Marginalised groups do not often protest or revolt against ideologies that overwhelmingly support privileged groups because, on some level, they consent to being dominated. This statement prompts an immediate question: Why would anyone consent to such an arrangement? While dominant ideologies may reflect the desires and interests of socially powerful groups, for these ideologies to remain dormant or hegemonic, they must also feature an additional promise. It is in the best interest of the marginalized groups to accept these beliefs as well. Put another way, members of socially powerful groups act to have their world view accepted as the universal way of thinking, and members outside these groups come to accept some of these ideologies because they appear beneficial in some way. This is referred to as a process of spontaneous consent because it is typically informal or unnoticed. The best way to understand the spontaneous consent of hegemony is through an example. A number of ideological components within a nation's higher education system may not be in the best interests of students. One dominant belief suggests that college students should pay for their own education. Despite being affected by the belief, they accept it, and the ideology survives. When such consent fails, however, the concept of hegemony also explains how dominant ideologies evolve to contain this failure through a process of flexible appropriation. In such a situation, it is likely that dominant cultural institutions will absorb any challenging beliefs, integrate them into the hegemonic matrix, and re-establish the previous norm. As a result, hegemonic systems never go away. They simply change form through a process of constant give and take between social group. Hegemonic ideological structures maintain control in part through the never-ending process of integration and appropriation of marginalised ideologies.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्न संख्या 46 से 50 तक के उत्तर दीजिए :

आधिपत्य के एक आवश्यक कार्य में एक सामाजिक व्यवस्था के अस्तित्व के प्रति समर्थन देने के लिए लोगों को आश्वस्त करना शामिल है, जो बदले में उनका समर्थन नहीं करती है। सीमांत समूह प्रायः उन विचारधाराओं का विरोध या उनके प्रति विद्रोह नहीं करते, जो विशेषाधिकार-प्राप्त समूहों का अत्याधिक समर्थन करती हैं, क्योंकि वे किसी स्तर पर आधिपत्य जमाने देने पर सहमत होने दे रहे होते हैं। इस कथन से तत्काल प्रश्न खड़ा होता है। कोई भी व्यक्ति क्यों इस प्रकार की व्यवस्था के प्रति सहमत होता है? जबकि वर्चस्वकारी विचारधाराएं सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूहों की इच्छाओं और हितों को प्रतिबिंबित करती हैं, इन विचारधाराओं के प्रसुप्त या आधिपत्यवादी बने रहने के लिए उनमें एक अतिरिक्त वचन देने की विशेषता भी आवश्यक है। सीमांत समूहों का श्रेष्ठ हित इन धारणाओं को स्वीकार करने में भी है। अन्य तरीके से कहा जाए तो सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूह उनके वैश्विक दृष्टिकोण को सार्वभौमिक चिंतन के तरीके के रूप में स्वीकार करने के लिए कार्य करते हैं और इन समूहों के बाहर के सदस्य इन विचारधाराओं को स्वीकार करने लगते हैं क्योंकि ये उन्हें किसी तरीके से लाभप्रद लगती हैं। इसे स्वतः स्फूर्त सहमति की एक प्रक्रिया के रूप में संदर्भित किया जाता है क्योंकि यह विशिष्ट रूप से अनौपचारिक है या उस पर ध्यान नहीं जाता। आधिपत्य के प्रति स्वतः स्फूर्त सहमति को एक उदाहरण के माध्यम से श्रेष्ठ तरीके से समझा जा सकता है। किसी देश की उच्च शिक्षा प्रणाली के भीतर अनेक वैचारिक घटक विद्यार्थियों के सर्वोत्तम हितों में नहीं हो सकते हैं। एक वर्चस्वकारी धारणा सुझाती है कि कॉलेज के विद्यार्थियों को अपनी स्वयं की शिक्षा का भुगतान करना चाहिए। इस धारणा से प्रभावित होने के बावजूद वे इसे स्वीकार कर लेते हैं और यह विचारधारा बनी रहती है। लेकिन, जब इस प्रकार की सहमति विफल हो जाती है तो आधिपत्य की अवधारणा स्पष्ट करती है कि किस प्रकार वर्चस्वकारी विचारधाराएं लचीले विनियोजन की प्रक्रिया के माध्यम से इस विफलता को रोकने के लिए विकसित होती हैं। इस तरह की स्थिति में यह संभावना है कि वर्चस्वकारी सांस्कृतिक संस्थाएं किसी चुनौतीपूर्ण धारणा को आत्मसात करेंगी उन्हें आधिपत्यवादी मैट्रिक्स में एकीकृत करेंगी और पूर्ववर्ती मानक को पुनः स्थापित करेंगी। परिणामस्वरूप आधिपत्यवादी प्रणालियाँ कभी भी लुप्त नहीं होतीं। वे सामाजिक समूहों के बीच निरंतर लेन-देन की प्रक्रिया के माध्यम से केवल रूप बदलती हैं। आधिपत्यवादी वैचारिक संरचनाएं आंशिक रूप से सीमांत विचारधाराओं के एकीकरण और विनियोजन की कभी भी न समाप्त होने वाली प्रक्रिया के माध्यम से नियंत्रण बनाए रखती हैं।

What is the acceptance of domination called?

Hegemony

- (2) Marginalisation
- (3) Spontaneous consent
- (4) Reflective desire

वर्चस्व की स्वीकार्यता को क्या कहा जाता है?

- (1) आधिपत्य
- (2) सीमांतीकरण
- (3) स्वतः स्फूर्त सहमति
- (4) प्रतिबिंबिक इच्छा

1[Option ID=10185]

2[Option ID=10186]

3[Option ID=10187]

4[Option ID=10188]

Sl. No.48
QBID:1501048

Read the following passage and answer the questions :

An essential function of hegemony involves convincing people to support the existence of a social system that does not support them in return. Marginalised groups do not often protest or revolt against ideologies that overwhelmingly support privileged groups because, on some level, they consent to being dominated. This statement prompts an immediate question: Why would anyone consent to such an arrangement? While dominant ideologies may reflect the desires and interests of socially powerful groups, for these ideologies to remain dormant or hegemonic, they must also feature an additional promise. It is in the best interest of the marginalized groups to accept these beliefs as well. Put another way, members of socially powerful groups act to have their world view accepted as the universal way of thinking, and members outside these groups come to accept some of these ideologies because they appear beneficial in some way. This is referred to as a process of spontaneous consent because it is typically informal or unnoticed. The best way to understand the spontaneous consent of hegemony is through an example. A number of ideological components within a nation's higher education system may not be in the best interests of students. One dominant belief suggests that college students should pay for their own education. Despite being affected by the belief, they accept it, and the ideology survives. When such consent fails, however, the concept of hegemony also explains how dominant ideologies evolve to contain this failure through a process of flexible appropriation. In such a situation, it is likely that dominant cultural institutions will absorb any challenging beliefs, integrate them into the hegemonic matrix, and re-establish the previous norm. As a result, hegemonic systems never go away. They simply change form through a process of constant give and take between social group. Hegemonic ideological structures maintain control in part through the never-ending process of integration and appropriation of marginalised ideologies.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्न संख्या 46 से 50 तक के उत्तर दीजिए :

आधिपत्य के एक आवश्यक कार्य में एक सामाजिक व्यवस्था के अस्तित्व के प्रति समर्थन देने के लिए लोगों को आश्वस्त करना शामिल है, जो बदले में उनका समर्थन नहीं करती है। सीमांत समूह प्रायः उन विचारधाराओं का विरोध या उनके प्रति विद्रोह नहीं करते, जो विशेषाधिकार-प्राप्त समूहों का अत्याधिक समर्थन करती हैं, क्योंकि वे किसी स्तर पर आधिपत्य जमाने देने पर सहमत होने दे रहे होते हैं। इस कथन से तत्काल प्रश्न खड़ा होता है। कोई भी व्यक्ति क्यों इस प्रकार की व्यवस्था के प्रति सहमत होता है? जबकि वर्चस्वकारी विचारधाराएं सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूहों की इच्छाओं और हितों को प्रतिबिंबित करती हैं, इन विचारधाराओं के प्रसुप्त या आधिपत्यवादी बने रहने के लिए उनमें एक अतिरिक्त वचन देने की विशेषता भी आवश्यक है। सीमांत समूहों का श्रेष्ठ हित इन धारणाओं को स्वीकार करने में भी है। अन्य तरीके से कहा जाए तो सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूह उनके वैश्विक दृष्टिकोण को सार्वभौमिक चिंतन के तरीके के रूप में स्वीकार करने के लिए कार्य करते हैं और इन समूहों के बाहर के सदस्य इन विचारधाराओं को स्वीकार करने लगते हैं क्योंकि ये उन्हें किसी तरीके से लाभप्रद लगती हैं। इसे स्वतः स्फूर्त सहमति की एक प्रक्रिया के रूप में संदर्भित किया जाता है क्योंकि यह विशिष्ट रूप से अनौपचारिक है या उस पर ध्यान नहीं जाता। आधिपत्य के प्रति स्वतः स्फूर्त सहमति को एक उदाहरण के माध्यम से श्रेष्ठ तरीके से समझा जा सकता है। किसी देश की उच्च शिक्षा प्रणाली के भीतर अनेक वैचारिक घटक विद्यार्थियों के सर्वोत्तम हितों में नहीं हो सकते हैं। एक वर्चस्वकारी धारणा सुझाती है कि कॉलेज के विद्यार्थियों को अपनी स्वयं की शिक्षा का भुगतान करना चाहिए। इस धारणा से प्रभावित होने के बावजूद वे इसे स्वीकार कर लेते हैं और यह विचारधारा बनी रहती है। लेकिन, जब इस प्रकार की सहमति विफल हो जाती है तो आधिपत्य की अवधारणा स्पष्ट करती है कि किस प्रकार वर्चस्वकारी विचारधाराएं लचीले विनियोजन की प्रक्रिया के माध्यम से इस विफलता को रोकने के लिए विकसित होती हैं। इस तरह की स्थिति में यह संभावना है कि वर्चस्वकारी सांस्कृतिक संस्थाएं किसी चुनौतीपूर्ण धारणा को आत्मसात करेंगी उन्हें आधिपत्यवादी मैट्रिक्स में एकीकृत करेंगी और पूर्ववर्ती मानक को पुनः स्थापित करेंगी। परिणामस्वरूप आधिपत्यवादी प्रणालियाँ कभी भी लुप्त नहीं होतीं। वे सामाजिक समूहों के बीच निरंतर लेन-देन की प्रक्रिया के माध्यम से केवल रूप बदलती हैं। आधिपत्यवादी वैचारिक संरचनाएं आंशिक रूप से सीमांत विचारधाराओं के एकीकरण और विनियोजन की कभी भी न समाप्त होने वाली प्रक्रिया के माध्यम से नियंत्रण बनाए रखती हैं।

The dominant ideology survives because of its

- (1) Social Power
- (2) Flexible appropriation
- (3) Beneficial features
- (4) Ideological components

वर्चस्वकारी विचारधारा किस कारण से बनी रहती है?

- (1) सामाजिक शक्ति
- (2)

लचीला विनियोजन

(3) लाभप्रद विशेषताएं

(4) वैचारिक घटक

1[Option ID=10189]

2[Option ID=10190]

3[Option ID=10191]

4[Option ID=10192]

Sl. No.49

QBid:1501049

Read the following passage and answer the questions :

An essential function of hegemony involves convincing people to support the existence of a social system that does not support them in return. Marginalised groups do not often protest or revolt against ideologies that overwhelmingly support privileged groups because, on some level, they consent to being dominated. This statement prompts an immediate question: Why would anyone consent to such an arrangement? While dominant ideologies may reflect the desires and interests of socially powerful groups, for these ideologies to remain dormant or hegemonic, they must also feature an additional promise. It is in the best interest of the marginalized groups to accept these beliefs as well. Put another way, members of socially powerful groups act to have their world view accepted as the universal way of thinking, and members outside these groups come to accept some of these ideologies because they appear beneficial in some way. This is referred to as a process of spontaneous consent because it is typically informal or unnoticed. The best way to understand the spontaneous consent of hegemony is through an example. A number of ideological components within a nation's higher education system may not be in the best interests of students. One dominant belief suggests that college students should pay for their own education. Despite being affected by the belief, they accept it, and the ideology survives. When such consent fails, however, the concept of hegemony also explains how dominant ideologies evolve to contain this failure through a process of flexible appropriation. In such a situation, it is likely that dominant cultural institutions will absorb any challenging beliefs, integrate them into the hegemonic matrix, and re-establish the previous norm. As a result, hegemonic systems never go away. They simply change form through a process of constant give and take between social group. Hegemonic ideological structures maintain control in part through the never-ending process of integration and appropriation of marginalised ideologies.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्न संख्या 46 से 50 तक के उत्तर दीजिए :

आधिपत्य के एक आवश्यक कार्य में एक सामाजिक व्यवस्था के प्रति समर्थन देने के लिए लोगों को आश्वस्त करना शामिल है, जो बदले में उनका समर्थन नहीं करती है। सीमांत समूह प्रायः उन विचारधाराओं का विरोध या उनके प्रति विद्रोह नहीं करते, जो विशेषाधिकार-प्राप्त समूहों का अत्याधिक समर्थन करती हैं, क्योंकि वे किसी स्तर पर आधिपत्य जमाने देने पर सहमत होने दे रहे होते हैं। इस कथन से तत्काल प्रश्न खड़ा होता है। कोई भी व्यक्ति क्यों इस प्रकार की व्यवस्था के प्रति सहमत होता है? जबकि वर्चस्वकारी विचारधाराएं सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूहों की इच्छाओं और हितों को प्रतिबिंबित करती हैं, इन विचारधाराओं के प्रसुप्त या आधिपत्यवादी बने रहने के लिए उनमें एक अतिरिक्त वचन देने की विशेषता भी आवश्यक है। सीमांत समूहों का श्रेष्ठ हित इन धारणाओं को स्वीकार करने में भी है। अन्य तरीके से कहा जाए तो सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूह उनके वैश्विक दृष्टिकोण को सार्वभौमिक चिंतन के तरीके के रूप में स्वीकार करने के लिए कार्य करते हैं और इन समूहों के बाहर के सदस्य इन विचारधाराओं को स्वीकार करने लगते हैं क्योंकि ये उन्हें किसी तरीके से लाभप्रद लगती हैं। इसे स्वतः स्फूर्त सहमति की एक प्रक्रिया के रूप में संदर्भित किया जाता है क्योंकि यह विशिष्ट रूप से अनौपचारिक है या उस पर ध्यान नहीं जाता। आधिपत्य के प्रति स्वतः स्फूर्त सहमति को एक उदाहरण के माध्यम से श्रेष्ठ तरीके से समझा जा सकता है। किसी देश की उच्च शिक्षा प्रणाली के भीतर अनेक वैचारिक घटक विद्यार्थियों के सर्वोत्तम हितों में नहीं हो सकते हैं। एक वर्चस्वकारी धारणा सुझाती है कि कॉलेज के विद्यार्थियों को अपनी स्वयं की शिक्षा का भुगतान करना चाहिए। इस धारणा से प्रभावित होने के बावजूद वे इसे स्वीकार कर लेते हैं और यह विचारधारा बनी रहती है। लेकिन, जब इस प्रकार की सहमति विफल हो जाती है तो आधिपत्य की अवधारणा स्पष्ट करती है कि किस प्रकार वर्चस्वकारी विचारधाराएं लचीले विनियोजन की प्रक्रिया के माध्यम से इस विफलता को रोकने के लिए विकसित होती हैं। इस तरह की स्थिति में यह संभावना है कि वर्चस्वकारी सांस्कृतिक संस्थाएं किसी चुनौतीपूर्ण धारणा को आत्मसात करेंगी उन्हें आधिपत्यवादी मैट्रिक्स में एकीकृत करेंगी और पूर्ववर्ती मानक को पुनः स्थापित करेंगी। परिणामस्वरूप आधिपत्यवादी प्रणालियाँ कभी भी लुप्त नहीं होतीं। वे सामाजिक समूहों के बीच निरंतर लेन-देन की प्रक्रिया के माध्यम से केवल रूप बदलती हैं। आधिपत्यवादी वैचारिक संरचनाएं आंशिक रूप से सीमांत विचारधाराओं के एकीकरण और विनियोजन की कभी भी न समाप्त होने वाली प्रक्रिया के माध्यम से नियंत्रण बनाए रखती हैं।

The dominant cultural institutions have the power to

- (A) Absorb challenges
- (B) Maintain relations with social groups
- (C) Destroy opposition
- (D) Re-establish the previous norms

Choose the most appropriate answer from the options given below :

- (1) (A) and (B) only
- (2) (B), and (C) only
- (3) (C) and (D) only
- (4) (A) and (D) only

वर्चस्वकारी सांस्कृतिक संस्थाओं में क्या शक्ति होती है ?

- (A) चुनौतियों को आत्मसात करना
- (B) सामाजिक समूहों के साथ संबंध बनाए रखना
- (C) विरोध को नष्ट करना
- (D) पूर्ववर्ती मानकों को पुनः स्थापति करना

सही विकल्प चुनिए :

- (1) केवल (A) और (B)
- (2) केवल (B) और (C)
- (3) केवल (C) और (D)
- (4) केवल (A) और (D)

1[Option ID=10193]

2[Option ID=10194]

3[Option ID=10195]

4[Option ID=10196]

Sl. No.50

QBID:1501050

Read the following passage and answer the questions :

An essential function of hegemony involves convincing people to support the existence of a social system that does not support them in return. Marginalised groups do not often protest or revolt against ideologies that overwhelmingly support privileged groups because, on some level, they consent to being dominated. This statement prompts an immediate question: Why would anyone consent to such an arrangement? While dominant ideologies may reflect the desires and interests of socially powerful groups, for these ideologies to remain dormant or hegemonic, they must also feature an additional promise. It is in the best interest of the marginalized groups to accept these beliefs as well. Put another way, members of socially powerful groups act to have their world view accepted as the universal way of thinking, and members outside these groups come to accept some of these ideologies because they appear beneficial in some way. This is referred to as a process of spontaneous consent because it is typically informal or unnoticed. The best way to understand the spontaneous consent of hegemony is through an example. A number of ideological components within a nation's higher education system may not be in the best interests of students. One dominant belief suggests that college students should pay for their own education. Despite being affected by the belief, they accept it, and the ideology survives. When such consent fails, however, the concept of hegemony also explains how dominant ideologies evolve to contain this failure through a process of flexible appropriation. In such a situation, it is likely that dominant cultural institutions will absorb any challenging beliefs, integrate them into the hegemonic matrix, and re-establish the previous norm. As a result, hegemonic systems never go away. They simply change form through a process of constant give and take between social group. Hegemonic ideological structures maintain control in part through the never-ending process of integration and appropriation of marginalised ideologies.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्न संख्या 46 से 50 तक के उत्तर दीजिए :

आधिपत्य के एक आवश्यक कार्य में एक सामाजिक व्यवस्था के अस्तित्व के प्रति समर्थन देने के लिए लोगों को आश्वस्त करना शामिल है, जो बदले में उनका समर्थन नहीं करती है। सीमांत समूह प्रायः उन विचारधाराओं का विरोध या उनके प्रति विद्रोह नहीं करते, जो विशेषाधिकार-प्राप्त समूहों का अत्याधिक समर्थन करती हैं, क्योंकि वे किसी स्तर पर आधिपत्य जमाने देने पर सहमत होने दे रहे होते हैं। इस कथन से तत्काल प्रश्न खड़ा होता है। कोई भी व्यक्ति क्यों इस प्रकार की व्यवस्था के प्रति सहमत होता है? जबकि वर्चस्वकारी विचारधाराएं सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूहों की इच्छाओं और हितों को प्रतिबिंबित करती हैं, इन विचारधाराओं के प्रसुप्त या आधिपत्यवादी बने रहने के लिए उनमें एक अतिरिक्त वचन देने की विशेषता भी आवश्यक है। सीमांत समूहों का श्रेष्ठ हित इन धारणाओं को स्वीकार करने में भी है। अन्य तरीके से कहा जाए तो सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूह उनके वैश्विक दृष्टिकोण को सार्वभौमिक चिंतन के तरीके के रूप में स्वीकार करने के लिए कार्य करते हैं और इन समूहों के बाहर के सदस्य इन विचारधाराओं को स्वीकार करने लगते हैं क्योंकि ये उन्हें किसी तरीके से लाभप्रद लगती हैं। इसे स्वतः स्फूर्त सहमति की एक प्रक्रिया के रूप में संदर्भित किया जाता है क्योंकि यह विशिष्ट रूप से अनौपचारिक है या उस पर ध्यान नहीं जाता। आधिपत्य के प्रति स्वतः स्फूर्त सहमति को एक उदाहरण के माध्यम से श्रेष्ठ तरीके से समझा जा सकता है। किसी देश की उच्च शिक्षा प्रणाली के भीतर अनेक वैचारिक घटक विद्यार्थियों के सर्वोत्तम हितों में नहीं हो सकते हैं। एक वर्चस्वकारी धारणा सुझाती है कि कॉलेज के विद्यार्थियों को अपनी स्वयं की शिक्षा का भुगतान करना चाहिए। इस धारणा से प्रभावित होने के बावजूद वे इसे स्वीकार कर लेते हैं और यह विचारधारा बनी रहती है। लेकिन, जब इस प्रकार की सहमति विफल हो जाती है तो आधिपत्य की अवधारणा स्पष्ट करती है कि किस प्रकार वर्चस्वकारी विचारधाराएं लचीले विनियोजन की प्रक्रिया के माध्यम से इस विफलता को रोकने के लिए विकसित होती हैं। इस तरह की स्थिति में यह संभावना है कि वर्चस्वकारी सांस्कृतिक संस्थाएं किसी चुनौतीपूर्ण धारणा को आत्मसात करेंगी उन्हें आधिपत्यवादी मैट्रिक्स में एकीकृत करेंगी और पूर्ववर्ती मानक को पुनः स्थापित करेंगी। परिणामस्वरूप आधिपत्यवादी प्रणालियाँ कभी भी लुप्त नहीं होतीं। वे सामाजिक समूहों के बीच निरंतर लेन-देन की प्रक्रिया के माध्यम से केवल रूप बदलती हैं। आधिपत्यवादी वैचारिक संरचनाएं आंशिक रूप से सीमांत विचारधाराओं के एकीकरण और विनियोजन की कभी भी न समाप्त होने वाली प्रक्रिया के माध्यम से नियंत्रण बनाए रखती हैं।

The passage explains

- (1) The forced absorption of the marginalized into the mainstream
- (2) The establishment of the ideology of the marginalised
- (3) The defects of spontaneous consent
- (4) The survival of dominant ideology against the challenges

उपरोक्त गद्यांश क्या स्पष्ट करता है?

- (1) सीमांतीकृत का मुख्य धारा में बलात् आत्मसात करना
- (2) सीमांतीकृत की विचारधारा की स्थापना

(3) स्वतः स्फूर्त सहमति के दोष

(4) चुनौतियों के विरुद्ध वर्चस्वकारी विचारधारा का बने रहना

1[Option ID=10197]

2[Option ID=10198]

3[Option ID=10199]

4[Option ID=10200]

Sl. No.51

QBID:851001

ध्वनिविज्ञानांत खंयचे शाखेचो अभ्यास जाय ना ?

(1) स्वानांचे गात्र

(2) स्वनिम

(3) स्वनांची चक्रवर्ती

(4) स्वनांची तीव्रता

1[Option ID=17601]

2[Option ID=17602]

3[Option ID=17603]

4[Option ID=17604]

Sl. No.52

QBID:851002

गाय फांत्या पारार भुक्ताली – हें वाक्य खंयचे नदरेन चूक आसा ?

(1) गाय फांत्या पारार भुक्ताली – हें वाक्य खंयचे नदरेन चूक आसा ?

(2) व्याकरणाचे नदरेन

(3) संकेत-प्रयोगीक नदरेन

(4) भासविज्ञानाचे नदरेन

1[Option ID=17605]

2[Option ID=17606]

3[Option ID=17607]

4[Option ID=17608]

Sl. No.53

QBID:851003

भासविज्ञानाचे नदरेन

(1) इण्डो-आर्यन

(2) तुखारी

(3) तुखारी

(4) तिबेटो बर्मन

1[Option ID=17609]

2[Option ID=17610]

3[Option ID=17611]

4[Option ID=17612]

Sl. No.54

QBID:851004

खंयच्या भासविज्ञानिकान कोंकणीच्या स बोल्यांचो अभ्यास करून तिका मराठी, गुजराती आनी सिंहालीस भाशां वांगडा अविल्ल्या इण्डो-आर्यनाच्या दक्षिण-पश्चिमे कडल्या फाट्यांत बसवली ?

(1) डॉ. सुमित्र मंगेश कर्णे

(2) डॉ. सु. वा. कुलकर्णी

(3) डॉ. मॅथ्यू आलैंडा

(4) डॉ. ए. एम. घटगे

1[Option ID=17613]

2[Option ID=17614]

3[Option ID=17615]

4[Option ID=17616]

Sl. No.55

QBID:851005

नाम आनी सर्वनाम हांच्या क्रियापदा कडेन आशिल्ल्या संबंदाक कितें म्हणाटात ?

(1) उपसर्ग

(2) प्रत्यय

(3) कारक संबंद

(4) कारक संबंद

1[Option ID=17617]
2[Option ID=17618]
3[Option ID=17619]
4[Option ID=17620]

Sl. No.56

QBID:851006

सक्यल दिल्ले वळेरीतले कोण कोंकणी भाशेचे वैव्याकरणी नाशिल्ले?

(1) गांशपार द सां मिगोल

(2) तोमास इरतेल्ह

(3) कारेल प्रिकील

(4) दोगा खेळी शेळोड दु कुच ठेल्ह

1[Option ID=17621]
2[Option ID=17622]
3[Option ID=17623]
4[Option ID=17624]

Sl. No.57

QBID:851007

नामाक विभक्ती प्रत्यय लागतकच जें रूप जाता, ताका किंते म्हणाटात?

(1) सार्वनामिक विशेषण

(2) सार्वनामिक विशेषण

(3) विघ्यर्थ

(4) विघ्यर्थ

1[Option ID=17625]
2[Option ID=17626]
3[Option ID=17627]
4[Option ID=17628]

Sl. No.58

QBID:851008

सामान्य रूप

(1) पयली

(2) दुसरी

(3) तिसरी

(4) चवथी

1[Option ID=17629]
2[Option ID=17630]
3[Option ID=17631]
4[Option ID=17632]

Sl. No.59

QBID:851009

भारताचे अस्तन्त दिकेक आशिल्लया अरबी समुद्राचे तडेवयल्या गुजरात सावन सक्यल दक्षिण दिके मेरेन आशिल्लया वाठाराक कसलै संबोधन आशिल्लें?

(1) भारताचे अस्तन्त दिकेक आशिल्लया अरबी समुद्राचे तडेवयल्या गुजरात सावन सक्यल दक्षिण दिके मेरेन आशिल्लया वाठाराक कसलैं संबोधन आशिल्लें?

(2) अपरान्त

(3) सप्तकोंकण

(4) सुनापरान्त

1[Option ID=17633]
2[Option ID=17634]
3[Option ID=17635]
4[Option ID=17636]

Sl. No.60

QBID:851010

सतत्या शतमानांत भारतांत आयिल्ल्या हुयेनत्सैंग ह्या चिनी विद्वानान आपणाल्या His-yü chi. ('हिस-यू-ची') हे दीसपटटेंत कितें नोंदयलां?

- (1) सतत्या शतमानांत भारतांत आयिल्ल्या हुयेनत्सैंग ह्या चिनी विद्वानान आपणाल्या His-yü chi. ('हिस-यू-ची') हे दीसपटटेंत कितें नोंदयलां?
- (2) 'कुकुणा' हा उत्तर साबन 'कोंकण' हे उत्तर साकार जाला
- (3) अरबी समृद्र आनी अस्तन्त घाट हांचे मजगर्तीं अशिल्लो भुये वाठार म्हळ्यार 'कोंकणे, आनी थंयसर रावितो करपी लोक म्हळ्यार 'कोंकणे' आमचो लोक मात तांका 'कानारी' अशे म्हणटात
- (4) **उत्तर कोंकण म्हळ्यार अपरान्त आनी दक्षिण कोंकण म्हळ्यार गोमन्तक**

1[Option ID=17637]

2[Option ID=17638]

3[Option ID=17639]

4[Option ID=17640]

Sl. No.61

QBID:851011

उत्तर कोंकण म्हळ्यार अपरान्त आनी दक्षिण कोंकण म्हळ्यार गोमन्तक

- (1) अरबी
- (2) हळेकन्ड
- (3) हळेकन्ड
- (4) रोमी

1[Option ID=17641]

2[Option ID=17642]

3[Option ID=17643]

4[Option ID=17644]

Sl. No.62

QBID:851012

साबारांत पयलो, दुसऱ्या शतमानांतलो, कोंकणी कोरीव लेख हरवळे हांगसर मेळठा तो कोणाल्या समया वयलो?

- (1) गुल साप्राज्याच्या
- (2) चन्द्रगुप्त मौर्य साप्राज्याच्या
- (3) कदम्ब साप्राज्याच्या
- (4) पुतुंगीज साप्राज्याच्या

1[Option ID=17645]

2[Option ID=17646]

3[Option ID=17647]

4[Option ID=17648]

Sl. No.63

QBID:851013

'देवा तूं पाव' ही हांगेली कांय बन्या कथांमदली एक कथा' अशे पुंडलिक नायक कोणासंबंदान म्हणटात?

- (1) 'देवा तूं पाव' ही हांगेली कांय बन्या कथांमदली एक कथा' अशे पुंडलिक नायक कोणासंबंदान म्हणटात?
- (2) तोमाझिन्यू कादौंज
- (3) तोमाझिन्यू कादौंज
- (4) जॅस फर्नांदीस

1[Option ID=17649]

2[Option ID=17650]

3[Option ID=17651]

4[Option ID=17652]

Sl. No.64

QBID:851014

'मावशेभाव' ही कथा हातूतल्या कोणे बरवल्या?

- (1) 'मावशेभाव' ही कथा हातूतल्या कोणे बरवल्या?
- (2) पुंडलिक नायक
- (3) दामोदर मावजो
- (4) गजानन जोग

1[Option ID=17653]

2[Option ID=17654]

3[Option ID=17655]
4[Option ID=17656]

Sl. No.65
QBID:851015

‘असो कथाकार, अशोय कथा, या नावान कोणे आनी कोणाल्या, खंयच्या कथाझेल्याक प्रस्तावना बरयल्या?

- (1) रवींद्र केळेकार हाणी दामोदर मावजो हांच्या ‘जागरण’ ह्या कथाझेल्याक
- (2) पुंडलीक नारायण नायक हाणी रामनाथ ग गावडे हांच्या ‘पिशाक पिपळ’ ह्या कथाझेल्याक
- (3) लक्ष्मणराय सरदेसाय हाणी गजानन जोग हांच्या ‘रुद्र’ ह्या कथा झेल्याक
- (4) रवींद्र केळेकार हाणी चंद्रकान्त केणी हांच्या, ‘अळमी’ ह्या कथा झेल्याक

1[Option ID=17657]
2[Option ID=17658]
3[Option ID=17659]
4[Option ID=17660]

Sl. No.66
QBID:851016

स. श्री श्रीनिवास भोबे काकुलो हाणी बरयल्यो ‘कुमार कथा’ ‘कुटुंबातलो मोग’ ह्यो खंयच्या वर्सा उजवाडाक आयल्यो?

- (1) 2004
- (2) 2013
- (3) 2015
- (4) 2015

1[Option ID=17661]
2[Option ID=17662]
3[Option ID=17663]
4[Option ID=17664]

Sl. No.67
QBID:851017

‘तुकराम रामा शेट’ हांच्या ‘मनमळब’ कविता झेल्यांतल्या ‘माये वसुंधरे’ या कवितेच्या सकल दिल्या एका कडव्यांतली निमणी वळ हांतूतली खंयची?
तूच आमची धात्री
तूच आमाची जन्मदाती
तुजेच दुट्येत जिवावळ

- (1) आनी विशाल सागर
- (2) आनी विशाल सागर
- (3) पोसता ही अञ्चंवर
- (4) जाल्या विविधतायेन साकार

1[Option ID=17665]
2[Option ID=17666]
3[Option ID=17667]
4[Option ID=17668]

Sl. No.68
QBID:851018

‘अपुप’ ह्या प्रातिनिधिक कविता संग्रहाची उजवाडणी खंयच्या वर्सा जाली?

- (1) 1983
- (2) 1985
- (3) 1986
- (4) 1986

1[Option ID=17669]
2[Option ID=17670]
3[Option ID=17671]
4[Option ID=17672]

Sl. No.69
QBID:851019

हांतूतलो खंयचो कविता संग्रह नागेश करमली हांचो न्हय?

- (1) वंशकुलाचे देणे
- (2) वंशकुलाचे देणे
- (3) थेणा-- थेणात

(4) थेव्या-- थेव्यात

- 1[Option ID=17673]
- 2[Option ID=17674]
- 3[Option ID=17675]
- 4[Option ID=17676]

Sl. No.70
QBID:851020

जोरगत

(1) 

- (2) मुक्त काव्य
- (3) भक्ति काव्य
- (4) लोकगीत

- 1[Option ID=17677]
- 2[Option ID=17678]
- 3[Option ID=17679]
- 4[Option ID=17680]

Sl. No.71
QBID:851021

लोकगीत

(1) साहित्य अकादमी

- (2) गोंय कला अकादमी
- (3) गोंय कला अकादमी
- (4) गोवा कॉकणी अकादमी

- 1[Option ID=17681]
- 2[Option ID=17682]
- 3[Option ID=17683]
- 4[Option ID=17684]

Sl. No.72
QBID:851022

गोवांतले उत्सवी कॉकणी रंगमाचयेर पयलें नाटक केन्ना सादर जालें?

- (1) 1962
- (2) 1976
- (3) 1977
- (4) 1988

- 1[Option ID=17685]
- 2[Option ID=17686]
- 3[Option ID=17687]
- 4[Option ID=17688]

Sl. No.73
QBID:851023

वामन रम्यनाथ शाई वर्दै वालावलिकार उपाख्य शाई गोंयबाब हांच्या 'मोणाचैं लग्न' हे नाट्यरचनेक 'लहोंवळीक' ह्या माथाळ्याची प्रस्तावना कोणे बरयिल्ली?

- (1) कृष्णा लक्ष्मण मोये
- (2) आचार्य रामचन्द्र शंकर नायक
- (3) पुंडलीक नारायण दाण्डे
- (4) जुवांब आगोस्तीन फर्नाइंडिस

- 1[Option ID=17689]
- 2[Option ID=17690]
- 3[Option ID=17691]
- 4[Option ID=17692]

Sl. No.74
QBID:851024

'तुळशीचैं लग्न' हे नाटक कोणे बरयिल्लें?

- (1)

‘तुळशीचे लग्न’ हे नाटक कोणे बरयिल्ले?

- (2) रवीन्द्र केळेकार
- (3) पुंडलीक नारायण दाण्डो
- (4) भरत नायक

1[Option ID=17693]
2[Option ID=17694]
3[Option ID=17695]
4[Option ID=17696]

Sl. No.75
QBID:851025

भरत नायक

- (1) ‘उगडास पटी हो निवंद संग्रह म्हळ्यार _____
- (2) आत्मचरित्रात्मक लेख
- (3) अणभवाची उतरा
- (4) जिंपेतले पत्रकारितेचे अणभव

1[Option ID=17697]
2[Option ID=17698]
3[Option ID=17699]
4[Option ID=17700]

Sl. No.76
QBID:851026

‘तुजें ‘घुस्यागेंदळ’ हें पारजत खूप आवडले, असले लेख पारजतांत येवक जाय, तुं नेमान असल्या पांवड्याचे लेख ते सदरांम बरयतलो अशी आस्त धरता’’
वयर दिल्ले विधान कोणे आनी कोणा संदर्भात केलां?

(1) माधव बोरकार हांणी राजय पवार हांच्या संदर्भात

- (2) माधव बोरकार हांणी राजय पवार हांच्या संदर्भात
- (3) डॉ. मनोहरराय सरदेसाय हांणी दिनेश विनायक भरणे हांच्या संदर्भात
- (4) पुंडलीक नायक हांणी परेश कामत हांच्या संदर्भात

1[Option ID=17701]
2[Option ID=17702]
3[Option ID=17703]
4[Option ID=17704]

Sl. No.77
QBID:851027

“स्वाती” निवंद झेल्यातलो “हांतू काय अर्थ ना” हो निवंध कोणाचो?

- (1) लुसियो रोड्रिक्स
- (2) दत्ताराम सुखठणकार
- (3) पु. ल. देशपांडे
- (4) निलकंठ साळकार

1[Option ID=17705]
2[Option ID=17706]
3[Option ID=17707]
4[Option ID=17708]

Sl. No.78
QBID:851028

सकल दिल्ले खंयचे निवंदाचे पुस्तक चंद्रकांत केणी हांचे न्हय?

- (1) सकल दिल्ले खंयचे निवंदाचे पुस्तक चंद्रकांत केणी हांचे न्हय?
- (2) आपालिपा
- (3) साहित्य सुवाद
- (4) साहित्य सुवाद

1[Option ID=17709]
2[Option ID=17710]

3[Option ID=17711]
4[Option ID=17712]

Sl. No.79
QBID:851029

‘कोटांतल्यान भायर सल्लो जातिवन्त भालो’ ही कसले लक्षणेची देख ?

- (1) सारोपा लक्षणेची
- (2) साध्यवसाना लक्षणेची
- (3) उपादान लक्षणेची
- (4) गौणी लक्षणेची

1[Option ID=17713]
2[Option ID=17714]
3[Option ID=17715]
4[Option ID=17716]

Sl. No.80
QBID:851030

‘काव्य रसवत् आसता, काव्य प्रेयसवत् आसता, वो काव्य ऊर्जस्वी आसता,’ अशें कोण म्हणता ?

- (1) भामह आनी दण्डी
- (2) विश्वनाथ आनी राजशेखर
- (3) मम्मट आनी रुद्रट
- (4) भरतमुनी आनी दण्डी

1[Option ID=17717]
2[Option ID=17718]
3[Option ID=17719]
4[Option ID=17720]

Sl. No.81
QBID:851031

‘सहदयलीला, साहित्यमीमांसा, काव्यप्रकाशसङ्केत, व्यक्तिविवेक व्याख्यान आनी अलङ्कारसर्वस्व’ ह्या ग्रंथांचो रचनाकार कोण ?

- (1)
- (2) हेमचन्द्र
- (3) रुद्रट
- (4) रुद्यक

1[Option ID=17721]
2[Option ID=17722]
3[Option ID=17723]
4[Option ID=17724]

Sl. No.82
QBID:851032

‘अपन्हुती’क कसले संज्ञेन वळखतात ?

- (1) अर्थालङ्कार
- (2) शब्दालङ्कार
- (3) उभयालङ्कार
- (4) सत्त्वालङ्कार

1[Option ID=17725]
2[Option ID=17726]
3[Option ID=17727]
4[Option ID=17728]

Sl. No.83
QBID:851033

‘कोलासणी’ ह्या उतराचो अर्थ म्हळ्यार _____

- (1) झाड तासपाची क्रिया
- (2) कोल्याक धांवडावन घालपाची क्रिया
- (3) कोशणे बालाच्या खेळातली हार
- (4) लोक संस्कृतायेतलो एक विधि

1[Option ID=17729]
2[Option ID=17730]
3[Option ID=17731]
4[Option ID=17732]

Sl. No.84
QBID:851034

दसन्याच्या वेळार नाच करतात त्या धनगरांच्या नाचाक किंदे म्हणाटात?

- (1) चपय
(2) गोफ
(3) होरखाला
(4) भद्रप

1[Option ID=17733]
2[Option ID=17734]
3[Option ID=17735]
4[Option ID=17736]

Sl. No.85
QBID:851035

गॉयांत आशित्या नाथपंथी गॉसाय जमातीर्ची मूळ सुवात खंयची?

- (1) खोतीगांव
(2) आंय
(3) इब्रामपूर
(4) इब्रामपूर

1[Option ID=17737]
2[Option ID=17738]
3[Option ID=17739]
4[Option ID=17740]

Sl. No.86
QBID:851036

भारतीय दैवत संकल्पनेत कितले पांवडे आसात आनी खंयचे आसात?

- (1) तीन, वैदीक, शिश्ठ आनी क्षेत्रपाळ
(2) दोन, दैवीक आनी पुराण
(3) तीन, मातृदैवत, पितृदैवत, गुरुदैवत
(4) चार, क्षेत्रपाळ, मातृदैवत, उपनिषदीय, अतिद्रिय

1[Option ID=17741]
2[Option ID=17742]
3[Option ID=17743]
4[Option ID=17744]

Sl. No.87
QBID:851037

तुळात्मक साहित्य ही एक ‘प्रामक संज्ञा’ (बोगस टर्म) जावन आसा अशें कोणे म्हळें?

- (1) लेन कूपर
(2) एरिस्टाटल
(3) प्लेटो
(4) मॅथ्यू आनोन्ड

1[Option ID=17745]
2[Option ID=17746]
3[Option ID=17747]
4[Option ID=17748]

Sl. No.88
QBID:851038

‘तुळात्मक साहित्य म्हळ्यार आंतराश्ट्रीय वाङ्मयीन संबंदाचो इतिहासच’ अशें 1932त कोणे म्हळें?

- (1) एम.एफ. ज्यूयेद
(2) हेबी एच. एच. रेमाक
(3)

पॉल व्हेन टिघेम

(4) रेन वेलेक

- 1[Option ID=17749]
- 2[Option ID=17750]
- 3[Option ID=17751]
- 4[Option ID=17752]

Sl. No.89
QBID:851039

इंग्लण्डांतल्यो नाट्यकृती आनी चिनी नाट्यकृती हांच्यातले सम्य दाखोवन दिवपी तुळात्मक समिक्षा कोणे केली?

- (1) जेम्स जे. वाय. लिऊ
- (2) एक्स. वॅडग आनी वाय. लिऊ
- (3) एच. डॉडग आनी डी. यूए
- (4) वाय. झेडग

- 1[Option ID=17753]
- 2[Option ID=17754]
- 3[Option ID=17755]
- 4[Option ID=17756]

Sl. No.90
QBID:851040

‘एन एस्से ऑन ड्रामाटिक पोएसी’ हो निबंध कोणे बरयलो?

- (1) अन्स्ट आर. कर्टियस
- (2) आर्थर ओ. लब्हजॉय
- (3) एस. एस. प्रावर
- (4) जॉन ड्रायडन

- 1[Option ID=17757]
- 2[Option ID=17758]
- 3[Option ID=17759]
- 4[Option ID=17760]

Sl. No.91
QBID:851041

सकयल दिल्ली खंयर्ची विधानां अचूक आसात?

- (A) पिंजीन हयो संपर्काचे गरजेतल्यान जल्माक आयिल्ल्यो भासो आसात
 - (B) क्रियॉल ही आवयभास आसता
 - (C) लियॉनार्ड ब्लूमफिल्ड हांर्णी 1933 वर्सी पिंजीन भाशेची संकल्पना सगळ्यांत पर्यर्ली मांडली
 - (D) भासविज्ञान पिंजिनाक अपुर्ण भार मानता
- (1) (A), (B), (C)
 - (2) (A), (B), (D)
 - (3) (A), (C), (D)
 - (4) (B), (C), (D)

- 1[Option ID=17761]
- 2[Option ID=17762]
- 3[Option ID=17763]
- 4[Option ID=17764]

Sl. No.92
QBID:851042

27 जून, 1684 हो दीस गोंयच्या इतिहासांत कित्याक महत्वाचो थारता?

- (A) गोंयचो ब्हाईसराय फ्रान्सिस द ताब्होरान कोंकणी भास उलोवपाची, बरोवपाची, वाचपाची मान्यताय काढून घेतली.
- (B) पोप पायस (पञ्चम) हाणे जो मेरेन कोंकणी भास उलोवपाक, बरोवपाक, वाचपाक येवना, तो मेरेन डिस्ट्री धर्मिक पदांचेर नियुक्ती करपाक मान्यताय दिवपाक न्हयकार दिलो.
- (C) तिसन्या गोंय प्रान्तिक परिशदेन (प्रांविहिन्द्याल काउन्सिल ऑव्ह गोवा) पांचवे आज्ञापत्र, अधिनियम दोन वर्वी क्रिस्ती धर्मिक प्रश्नोत्तरी आशिल्लो सार-संग्रह आदी पुरुगेज भासांत आसाचो, उपरान्त तो लोकभासांत अणकारित कर्त्तो अशी आज्ञा प्रसारित केली.
- (D) पांचव्या गोंय प्रान्तिक परिशदेन (प्रांविहिन्द्याल काउन्सिल ऑव्ह गोवा) तेराव्या आज्ञापत्रा वर्वी जंय पैरिश प्रिस्टांची संख्या चार आसा, थंयसर एकलो तरी थळावी लोकभास उलोवपाक, बरोवपाक, वाचपाक जाणा जावंक जाय अशें सांगले.

- (1) (A) only
- (2) (C) only
- (3) (B) only
- (4) (D) only

1[Option ID=17765]

2[Option ID=17766]

3[Option ID=17767]

4[Option ID=17768]

Sl. No.93
QBID:851043

सोळाळ्या शैकङ्गांतले पाढ्री तोमास इरतेबळं आनी एकुणिसाळ्या शैकङ्गांतले पाढ्री आग्नेल माफेय हांच्या वावरांत समानकाय आशिल्ली, कारण -

- (A) इरतेबळांन कोंकणी आनी मराठी आत्मसात केल्ली जाल्यार माफेयान संस्कृत, कन्नड, तुळू, मलयालम आनी तमीळ भासांचेर प्रभुत्व संपादिल्ले
- (B) इरतेबळांन 'आर्त-द-लिङ्गव कानारी' बरयलें जाल्यार माफेयान 'कोंकणी रानांतले सोबीत सुन्दर ताळो' ही व्याकरणां वयलीं पुस्तकां बरयलीं
- (C) इरतेबळांन देवनागरी लिपयेंतल्यान जाल्यार माफेयान कन्नड लिपयेंतल्यान कोंकणी बरोवपाचो आग्नो धरिल्लो
- (D) इरतेबळांन कोंकणी पासत रोमी लिपयेची ध्वनिपुराय निर्मणी केली जाल्यार माफेयान इंग्लिश-कोंकणी आनी कोंकणी-इंग्लिश शब्दकोश उजवाडावन हाडलो

- (1) (D) and (A) only
- (2) (B) only
- (3) (A) and (C) only
- (4) (D) only

1[Option ID=17769]

2[Option ID=17770]

3[Option ID=17771]

4[Option ID=17772]

Sl. No.94
QBID:851044

मुखार दिल्ल्या विधानांतली खंयची दोन विधानां परस्परपूरक आसात?

- (A) दुवाची वर्तमान-भूत-भविश्य वाक्यांत आशिल्ल्या कर्माच्या लिंग-वचनांक मानून मुखेल आनी पालवी क्रियापदां परिवर्तीत जातात.
- (B) आज्ञार्थात भविश्यकाळांतली कृती अपेक्षित आसता
- (C) कोंकणी विष्यर्थ संस्कृत विष्यर्थाच्याच अर्थान उपकारायतात आनी संस्कृत विष्यर्थाची कुसां लावन कोंकणी विष्यर्थ घडयतात.

- (1) (A) and (B)
- (2) (A) and (C)
- (3) (B) and (C)
- (4) (A), (B) and (C)

1[Option ID=17773]

2[Option ID=17774]

3[Option ID=17775]

4[Option ID=17776]

Sl. No.95
QBID:851045

‘सामासिक उत्तर’ आनी ‘समास’ म्हण्यार किंते?

- (A) दोन वो चडावत उतरांचो परस्परां कडेन संबंद दाखोवपी वर्तमानकाळ वो तो वर्तमानकाळ लुप्त जाल्ल्यान एका नवीन उतराची निर्मणी जाता, अशा उतराक ‘सामासिक उत्तर’ म्हणाटात, तेच परी त्या दोन वो चडावत उतरांचो जो संयोग जाता, त्या संयोगाक ‘समास’ अशें संबोधतात.
- (B) दोन वो चडावत उतरांचो परस्परां कडेन संबंद दाखोवपी उतर वो प्रत्यय लुप्त जाल्ल्यान एका नवीन उतराची निर्मणी जाता, अशा उतराक ‘सामासिक उत्तर’ म्हणाटात, तेच परी त्या दोन वो चडावत उतरांचो जो संयोग जाता, त्या संयोगाक ‘समास’ अशें संबोधतात.
- (C) दोन वो चडावत उतरांचो परस्परां कडेन संबंद दाखोवपी भूतकाळ वो तें उतर लुप्त जाल्ल्यान एका नवीन उतराची निर्मणी जाता, अशा उतराक ‘सामासिक उत्तर’ म्हणाटात, तेच परी त्या दोन वो चडावत उतरांचो जो संयोग जाता, त्या संयोगाक ‘समास’ अशें संबोधतात.
- (D) दोन वो चडावत उतरांचो परस्परां कडेन संबंद दाखोवपी वर्तमानकाळ वो तें उतर लुप्त जाल्ल्यान एका नवीन उतराची निर्मणी जाता, अशा उतराक ‘सामासिक उत्तर’ म्हणाटात, तेच परी त्या दोन वो चडावत उतरांचो जो संयोग जाता, त्या संयोगाक ‘समास’ अशें संबोधतात.
- (1) (C) only
(2) (B) only
(3) (A) and (C) only
(4) (B) and (D) only

1[Option ID=17777]
2[Option ID=17778]
3[Option ID=17779]
4[Option ID=17780]

Sl. No.96
QBID:851046

आदर्श विज्ञापन (एँडवर्टर्यज) लेखनांत मुखार दिल्यात, तारुंतल्यो खंयच्यो विशेषतायो आसूक फाव ना?

- (A) विज्ञापन नक्सूद उतरानी आसूक जाय परन्त ती आरक्षक आसूक फाव ना.
(B) विज्ञापनांत गुणवत्तेची नक्सूद म्हायती दिवापाचो जाता तितलो थेल जावंक जाय
(C) विज्ञापनांतली आरक्षक चित्रां पळोवन वाचप्यांच्यो वो पळोवप्यांच्यो विकृत भावना चाळोवन घालूक जाय
(D) विज्ञापनांत संपर्क नामो, मोबायल क्रमांक आनी इ-मेल आयडी दिवंकच जाय अशें नासता.
- (1) (A) and (C) only
(2) (A) and (D) only
(3) (B) and (C) only
(4) (B) and (D) only

1[Option ID=17781]
2[Option ID=17782]
3[Option ID=17783]
4[Option ID=17784]

Sl. No.97
QBID:851047

ज्येष्ठ कवी पाणुरुंग भांगी हांका मनोहराय सरदेसायान ‘द पेण्टर अँव्ह द इन्हिजिबल’ अशें म्हळें, कारण तांचे म्हणणे अशें आशिललें-

- (A) भांगी हे एक चित्रकार आसात आनी चित्रां वर्वीं कवितांचो प्रत्यय हाडून दितात.
(B) भांगी भितल्ल्या मनाचे रूपडें रंगतात आनी ताचे पासत संवसाराचे भावले वेटेनच्यो प्रतिमा घेतात.
(C) भांगीतलो कवी अदृष्ट अशा अन्तर्मनाक चित्ररूप दिता, ताचे पासत बहिर्मुख जावन संवसारातली प्रतिकां घेता.
(D) भांगीतलो कवी कोणाक दिसना कारण ते चित्रकार जावन आसात
- (1) (A) only
(2) (A) and (B) only
(3) (C) only
(4) (C) and (D) only

1[Option ID=17785]
2[Option ID=17786]
3[Option ID=17787]
4[Option ID=17788]

Sl. No.98
QBID:851048

भौ. हरिशंद्र नागवेकार हांच्या मतान -

- (A) पुंडलीक नायक हो कोंकणी साहित्य संवसांरातले एक चमत्कार आसा.
- (B) 'कार्मेलीन' ह्या नवलकाणयेच्या प्रास्तविक, प्रकरणातल्यान पुराय कथानक दामोदर मावजो हाणी बरोबन द्वरलं
- (C) 'कार्मेलीन' नवलकाणयेत कांयच दोश दिशटी पडनात.
- (D) तंत्राच्या नदेन जिका कथा म्हणू येता अशी कथा कोंकणीत फळळी, ती मुक्तीउप्रांत
- (E) मुक्तीउप्रांतच्चा काळांत कोंकणीकथा स्वेच्छा दृष्टीन प्रमाणशीर जाल्याचें दिशटी पडता.

Choose the most appropriate answer from the options given below :

- (1) (A), (B) and (C) only
- (2) (A), (D) and (E) only
- (3) (B), (C) and (D) only
- (4) (A), (C) and (E) only

1[Option ID=17789]

2[Option ID=17790]

3[Option ID=17791]

4[Option ID=17792]

Sl. No.99

QBid:851049

कवितेच्यो खाशेलतायो म्हळ्यार

- (A) कवितेचें एक शास्त्र आसता
- (B) गद्य कविता ही मुक्तछंदात आसता
- (C) कवितेची भास जड तर कविता मोलाची
- (D) मुक्तछंदातल्या कवितेक लय नासता
- (E) छंद रूप हो एक खेळ आसू येता. पूण कविता बरोबप म्हळ्यार खेळ नह्य

सकल दिल्ल्या पर्यायातलो योग्य पर्याय वेचात.

- (1) (A) आनी (B)
- (2) (B) आनी (C)
- (3) (B) आनी (D)
- (4) (A) आनी (E)

1[Option ID=17793]

2[Option ID=17794]

3[Option ID=17795]

4[Option ID=17796]

Sl. No.100

QBid:851050

डॉ. प्रकाश वजरीकार हांच्या मतान कवी सुदेश लोटलीकार हांच्या 'एकांताचीं उतरा' ह्या कविता झेल्यातल्यो कविता म्हळ्यार...

- (A) स्वतःचो घेतिल्लो सोद
- (B) सामाजिक, राजकीय, इतिहासिक संदर्भ दिवापी कविता
- (C) एका साक्षात्कारी मनशाचें आपउलोबप
- (D) कविच्या भाग्याचें फळ
- (E) अस्तित्ववादी कवितेचो एक रूपकार

सकल दिल्ल्या पर्यायातलो योग्य पर्याय वेचात.

- (1) (A) आनी (C)
- (2) (B) आनी (D)
- (3) (B), (C) आनी (E)
- (4) (A), (D) आनी (E)

1[Option ID=17797]

2[Option ID=17798]

3[Option ID=17799]

4[Option ID=17800]

Sl. No.101
QBID:851051

निबंद बरपाचो विकास असो सांगू येता _____

- (A) प्राचीन काळांत निबंद हे उतर साहित्यिक नजरेतल्यान वापरी नाशिल्ले
- (B) 'वासवदता' रचपी मुबन्धु हाणे निबंद ह्या उतराचो वापर ग्रंथ रचना असो केला
- (C) फ्रेंच भाषेन मॉन्टेन हांपी हो प्रकार केळयला
- (D) भारतात निबंद बरप जाय तर्शे बरयल्ले दिश्टी पडना
- (E) 1865 त भारतातल्या विद्यापिठात अभ्यासक्रमांत निबंद विशय शिक्य नाशिल्ले

सकल दिल्या पर्यायातलो योग्य पर्याय वेचात.

- (1) (A), (B) आनी (D)
- (2) (B) आनी (C)
- (3) (B), (C) आनी (E)
- (4) (C) आनी (D)

1[Option ID=17801]

2[Option ID=17802]

3[Option ID=17803]

4[Option ID=17804]

Sl. No.102
QBID:851052

कोंकणी साहित्यात भौंवडेवर्णनाचे निबंद साहित्य अशें वर्णन करू येता _____

- (A) भौंवडेवर्णन म्हणजे बरोवप्याचे अणभवविश्व
- (B) भौंवडेवर्णन हो स्वतंत्र साहित्य प्रकार आसा
- (C) कोंकणी साहित्यांत भौंवडेवर्णनाचे बरप निबंद आनी पुस्तकरूपान मेळता
- (D) बरे भौंवडेवर्णन बरवापी हो भाषेचेर प्रभुत्व आसपीच जाय अशें ना
- (E) भौंवडेवर्णनात संवाद आसल्यार त्या बरपाची सोबा वाडता

सकल दिल्या पर्यायातलो योग्य पर्याय वेचात.

- (1) (A), (B) आनी (C)
- (2) (C), (D) आनी (E)
- (3) (A), (C) आनी (E)
- (4) (B), (C) आनी (D)

1[Option ID=17805]

2[Option ID=17806]

3[Option ID=17807]

4[Option ID=17808]

Sl. No.103
QBID:851053

कोंकणी साहित्यातले जीण आनी आपजीण चित्रावपी बरप म्हळ्यार _____

- (A) 'भुयचाफी' ह्या व्यक्ती चित्राच्या बरपात वटू था चित्रणां अस्तुच्यांची आसपाक जाय
- (B) 'अस्तुचीमृग' ह्या व्यक्ती चित्रणा सारख्या बरपातल्यान पयल्या इकरा निबंदानी बायलांची चित्रणां आसप.
- (C) 'दोंगरावेली मनशा' ह्या व्यक्तीचित्रांच्या निबंद झोल्यात बिगर गोंयकारांचे चित्रण येबप.
- (D) 'पांथस्थ' ह्या आपजीणेच्या बरपात विस्तृत आत्मचित्रच नासप.
- (E) 'खबरी...' ह्या व्यक्ती चित्राच्या बरपांत गोंयकारांची खाशेली चित्रणां आसप.

सकल दिल्या पर्यायातलो योग्य पर्याय वेचात.

- (1) (A), (B) आनी (C)
- (2) (C), (D) आनी (E)
- (3) (B), (C) आनी (D)
- (4) (A), (D) आनी (E)

1[Option ID=17809]

2[Option ID=17810]

3[Option ID=17811]

4[Option ID=17812]

Sl. No.104
QBID:851054

र्वांद्र केळेकार हांचे निबंद लेखन म्हळ्यार _____

- (A) आपल्या निबंदातल्यान तांची राजकी, सामाजिक, भाशीक जीण हांचे चित्रण घडोबप.
- (B) र्वांद्राब हांणी कोंकणी निबंद लेखनाक प्रतिष्ठा मेळेवन दिली.
- (C) तांणी आपल्या निबंदातल्यान फक्त तत्वगिज्ञानच मांडपाची कृती केली.
- (D) तांच्या ह्या बरपाक “अणभवाचे वालीक आयिल्ली चितनाचीं फुलां” अशे म्हणू येता.
- (E) र्वांद्राबाबान कोंकणी निबंदाची सुरवात केली.

सकल दिल्या पर्यायातलो योग्य पर्याय वेचात.

- (1) (A), (B) आणि (C)
- (2) (C), (D) आणि (E)
- (3) (A), (B) आणि (D)
- (4) (B), (C) आणि (E)

1[Option ID=17813]

2[Option ID=17814]

3[Option ID=17815]

4[Option ID=17816]

Sl. No.105
QBID:851055

कॅशियस लॉञ्जायनस ह्या प्राचीन ग्रीक विचारवन्नान बरयिल्ल्या ‘पेरी हिप्सुस’ ह्या ग्रंथाचो अर्थ ‘भव्योदात संबंदान’ असो घेवक जाता, कारण-

- (A) 1739 विलियम स्मिथ हाणे त्या माथाळ्याचे अणकार ‘ऑन द सब्लायम’ असो केला.
- (B) ह्या माथाळ्या वर्बी कले परस कलात्मकताय श्रेष्ठ असो हेत स्पष्ट जाता.
- (C) कॅशियस लॉञ्जायनसाक श्रेष्ठ चितन, उदात भावना, प्रभावी शैली असो अर्थ अभिप्रेत आशिल्लो.
- (D) ‘पेरी हिप्सुस’ हो गंथ एरिस्टाँटलच्या ‘पोएटिक्स’ परसय भव्य आणी उदात विचारांचो आसा.

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (B) only
- (2) (A) and (B) only
- (3) (C) only
- (4) (C) and (D) only

1[Option ID=17817]

2[Option ID=17818]

3[Option ID=17819]

4[Option ID=17820]

Sl. No.106
QBID:851056

मार्क्सवाद हो साहित्यसिद्धान्त न्हय, अशे म्हणपाचे कारण _____

- (A) मार्क्सवाद साहित्यकृतीच्या गुणवते विर्शी कांयच सांगूक पावना.
- (B) मनशाचे जिणेक निखट्यो आर्थिक प्रेरणा आसता अशे म्हणप समा न्हय
- (C) मनशाची जीण म्हळ्यार निखटो वर्गसंघर्ष अशे म्हणप अर्थपुराय दिसना.
- (D) जिणेविर्शीचो दृष्टिकोन म्हळ्यार मार्क्सवादी दृष्टिकोन, अशे म्हणप समा न्हय

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (A) only
- (2) (B) and (C) only
- (3) (D) only
- (4) (C) and (D) only

1[Option ID=17821]

2[Option ID=17822]

3[Option ID=17823]

4[Option ID=17824]

Sl. No.107
QBID:851057

कोंकणी कवितेविशी जाणकारांचे अशें मत आसा.

- (A) खंयच्याय साहित्याक पथलोवयलो चंवर येता तो काव्याचो. तसोच तो गोंयात कोंकणी कवितेक आयलो.
- (B) गोंयात पोरुंगज येवच्या आदीय कोंकणीत काव्य रचपाची परंपरा आमली.
- (C) गोंयच्या मांडो, दुल्पदा ह्या लोकगीतांनी सुर्खेस काव्य शिंपडला.
- (D) राम मनोहर लोहिया हांच्या प्रेरणेन कोंकणी कविता गोंयभर फुलून आयली.
- (E) केरळात कोंकणी कवितेक चंवर आयलो.

सकल दिल्या पर्यायातलो योग्य पर्याय वेचात.

- (1) (A), (C) आनी (D)
- (2) (A), (B) आनी (C)
- (3) (B), (C) आनी (D)
- (4) (C), (D) आनी (E)

1[Option ID=17825]

2[Option ID=17826]

3[Option ID=17827]

4[Option ID=17828]

Sl. No.108

QBID:851058

तुळात्मक साहित्याभ्यासांत महत्व लाबिल्या 'प्रभाव' (influence) आनी 'सहजसाम्य' (analogy) ह्या दोन संज्ञांत भौत वेगळेपण आसता, कारण -

- (A) सहजसाम्य म्हळ्यार, उदाहरण म्हूण भासाभास करूक घेतिल्या दोन साहित्यकृतीचो एकमेका कडेन कसलोच संबंद नासता, अशें आमूनय तांची शैली, रचनाशिल्प, मनःस्थिती, कल्पना हातूत आशिल्लें साम्य मात सहजपणान स्पर्श करूक मेळता, अशें ए. अंबेन ऐंडरिज म्हणटा;
- (B) एकाद्वारी साहित्यकृती हेर एकाद्वारी साहित्यकृतीचे निर्मिणक प्रभाव पडपा इतली 'कारण' जाता (म्हळ्यार साम्यां दाखयता अशें) म्हणपा सारके कोणच वाड्यमीन आधार दाखोवेन आपणालो युक्तिवाद सिद्ध करूक पावलो ना, अशें रेने वेले म्हणटा;
- (C) प्रभाव आनी सहजसाम्य हांचो अभ्यास करपाक तार्किक भूय उपलब्ध जाता, अशें एस. एस. प्रावर म्हणटा;
- (D) साहित्यक आनी साहित्य एकमेकाचेर कसो प्रभाव घालतात, हें अभ्यासपा पासत सुक्षीम सविस्तर सुत्रां मेरेन वचूक ह्यो दोन संज्ञा साह्य करतात, अशें सायमन ज्यून म्हणटा.

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (A) only
- (2) (B) only
- (3) (C) only
- (4) (D) only

1[Option ID=17829]

2[Option ID=17830]

3[Option ID=17831]

4[Option ID=17832]

Sl. No.109

QBID:851059

संपर्क आनी स्थलान्तर हांचो प्रभाव संबंदितांचे साहित्य निर्मिणेचेर जाता, हाची देख म्हळ्यार -

- (A) इङ्गिविजिशनाची भिंत येऊन मंगळूर वो भारताच्या हेर वाठारांत स्थलान्तरित जाल्ले एकवटीत मुशिक्षित गोंयकार;
- (B) भारतांतल्या तमिळ लोखकांचे आनी श्रीलंकेतल्या तमिळ बोरोवप्यांचे साहित्य;
- (C) कोलम्बसान मार्च 14, 1493त स्पेन देशात पर्यंत येतकच ताका दुडवाची पुरवण करपी राजा फर्डिनण्ड आनी राणी इजाबेल हांचे कडेन संपर्क साढून आपणे अमेरिकेचो सोद लायिल्या विशींचो धाडिल्लो अहवाल;
- (D) पुरुंगिजांनी संवसारांतल्या विंगड विंगड धर्मान्तरितांक शिक्यिल्ली रोमी लिपीतली थळावी भास.

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (A) and (B) only
- (2) (B) only
- (3) (C) and (D) only
- (4) (D) only

1[Option ID=17833]

2[Option ID=17834]

3[Option ID=17835]

4[Option ID=17836]

Sl. No.110
QBID:851060

लिलित निबंदाची भास _____

- (A) भावना आनी विचार नितल्पणान प्रगट करपी आसची
- (B) खेळगड्याची उमेद आनी गोडी प्रगट करपी आसची.
- (C) सदाचें उलोवप्र प्रगट करपी आसची.
- (D) अलंकार प्रगट करपी आसची.
- (E) पुराय भास संवाद प्रगट करपी आसची.

सकल दिल्या पर्यायातलो योग्य पर्याय वेचात.

- (1) (A), (B) आनी (C)
- (2) (C), (D) आनी (E)
- (3) (A), (C) आनी (D)
- (4) (B), (D) आनी (E)

1[Option ID=17837]

2[Option ID=17838]

3[Option ID=17839]

4[Option ID=17840]

Sl. No.111
QBID:851061

प्रकाश वजऱीकाराच्या मत्तान अशोक कामतीची 'धाणाधाय निवतीचे' ही कादंबरी म्हळ्यार _____

- (A) अर्विल्ल्या कोंकणी कादंबरी चें मुळावण घालपी सहित्य रचना.
- (B) एका सभ्य पुण गरीब मनशाच्या जीणेत जाल्ली पडऱ्याड दाखोवपी स्वनाकृती.
- (C) व्हड असो जिवीताचो पट दाखोवपी सामाजिक संदर्भ आशिल्ली कादंबरी.
- (D) अर्थांक कुचंबणा आसूनय भुरग्यांचेर न जावपी परिणाम दाखोवपी कथानक.
- (E) गोंयच्या समाजांतल्या प्रतिष्ठित घराब्याची हासती खेळटी काणी.

Choose the most appropriate answer from the options given below :

- (1) (A) and (B) only
- (2) (E) and (D) only
- (3) (B) and (C) only
- (4) (A) and (D) only

1[Option ID=17841]

2[Option ID=17842]

3[Option ID=17843]

4[Option ID=17844]

Sl. No.112
QBID:851062

गोंयच्या कुळंबी जमातीतले लोक जायत्या धार्मिक कायाखातीर करमलाच्या पानांचो उपेग करतात _____

- (A) तांच्या पारंपारिक वसर्तीनी करमलाचो रुख सहज उपलब्ध आसता
- (B) हेर जमातीपरस आपुण वेगळे हें दाखोवपाखातीर ते तशे करतात.
- (C) कुळंबी लोक चडगे रानावनांत रावतात. थंय तांका शारी लोकांभेन वागप जमना
- (D) घरचे गरीब परिस्थितीक लागून तांका धातूची आयदनां परवडनात.
- (E) कुळंबी लोक भश्ट-सोवळे खूप मानतात.

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (B) only
- (2) (C) only
- (3) (D) only
- (4) (A) only

1[Option ID=17845]

2[Option ID=17846]

3[Option ID=17847]

4[Option ID=17848]

Sl. No.113
QBID:851063

‘नाटक’ ह्या साहित्यप्रकाशविर्झी अर्थे म्हणू येता.

- (A) नाटक हो एक दृक आनी श्राव्य प्रकार आसा.
- (B) नट हें संस्कृत उतर मुळांत संस्कृतातलेच जावन आसा.
- (C) नाटकांत फक्त मनोरंजन आसता .
- (D) नाटक हाचो मूळ अर्थे अभिनय करप असो आसा.
- (E) संस्कृत वाङ्मयांत नाटकाक पंचमवेद लेखला.

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (A), (B) and (C) only
- (2) (B), (D) and (E) only
- (3) (A), (D) and (E) only
- (4) (B), (C) and (D) only

1[Option ID=17849]

2[Option ID=17850]

3[Option ID=17851]

4[Option ID=17852]

Sl. No.114
QBID:851064

दामोदर मावजो कोंकणी कथेच्या संबंदान आपली निरीक्षणां अशी सांगतात...

- (A) चंद्रकांत केणी हांची कोंकणी कथा मोटव्या आकाराची आसता.
- (B) दता नायक हांगेली शब्दचित्रां खाशोलेपणान उर्बी जावनात.
- (C) अ.ना. म्हांबरो हांची कथा अ-कथा ह्या प्रकारांत मोडटा.
- (D) गजानन जोग आनी महाबळेश्वर सैल हे दोगूळ कोंकणी कथेच्या कितिजाचेर स्वयंभू तेजान तळपुरी सूर्या जावन आसत.
- (E) ‘दोंगर चंबळ’ कथाझाल्यांतल्यो कथा भावुक शैलीपरस विनोदी शैलीत बरयल्यात.

Choose the most appropriate answer from the options given below :

- (1) (A), (C) and (D) only
- (2) (A), (B) and (E) only
- (3) (B), (C) and (E) only
- (4) (C), (D) and (E) only

1[Option ID=17853]

2[Option ID=17854]

3[Option ID=17855]

4[Option ID=17856]

Sl. No.115
QBID:851065

सोळाव्या आनी सतराव्या शेंकळ्यांत मिशनरी पादरी कडल्यान कोंकणी भाशेचो व्याकरणाच्या मळार व्हड वावर जालो

- (A) मिशनरीक भाशेचो वावर करपाच्या बदल्यांत पयशे मेळटाले
- (B) मिशनरीक भाशेचो वावर करना जाल्यार जबर ख्यास्त जाताली
- (C) मिशनरीनी भाशेचो वावर केल्यान तांका पुरुगालाक वचूक मेळटाले
- (D) मिशनरीनी भाशेचो वावर केल्यार तांका धर्माच्या प्रसारा पासत थळावी भास शिकप सोर्पे जाताले

Choose the most appropriate answer from the options given below :

- (1) (A) only
- (2) (B) only
- (3) (C) only
- (4) (D) only

1[Option ID=17857]

2[Option ID=17858]

3[Option ID=17859]
4[Option ID=17860]

Sl. No.116
QBID:851066

मोनजात कृती उल्यता हे सांगपी तिचे कृती कडेन अर्थपुरास संबंद लावन जोडयो लायात :

List - I

- (A) कुल्ली दांगे हालोवन
 - (B) म्होऱा मूस मोन्यानी
 - (C) कोणूळ
 - (D) माकड
- (I) गावन उल्यता
 - (II) किळच्यांनी उल्यता
 - (III) साद घालून उल्यता
 - (IV) नाचून उल्यता
 - (V) कुर्वांनी उल्यता

- (1) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(V)
- (2) (A)-(V), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(II)
- (3) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(V)
- (4) (A)-(V), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)

1[Option ID=17861]
2[Option ID=17862]
3[Option ID=17863]
4[Option ID=17864]

Sl. No.117
QBID:851067

भाशेचे प्रमाणिकरण आनी तें करता आसतना जाय आशिल्लयो अनिवार्य कृती हांच्यो सार्थक जोडयो लायात :

List - I

- (A) भाशेचे प्रमाणिकरण करपा पासत
- (B) भाशेचे प्रमाणिकरण समृद्ध करपा पासत
- (C) भाशेच्या प्रमाणिकरणाची बांदावळ करता आसतना
- (D) सावथवर्थ बरयता – प्रमाण भाशेची जाणविकाय

List - II

- (I) संबंदीत बोलयेचे व्याकरण, शब्दकोश सिद्ध करचे पडटात
- (II) ते भाशेची एक तरी बोली वेचून काडची पडटा
- (III) विंगड विंगड भाशीक वेवस्था जलमाक घालच्यो पडटात.
- (IV) उर्णी उतरावळ तेच परी नीज भाशेतली उतरावळ बांदावळेत हाडची पडटा
- (V) अठराव्या शेंकड्या मेरेन येवोपांत जलमूळक नाशिल्ली

- (1) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(V)
- (2) (A)-(V), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(II)
- (3) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(V)
- (4) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(V)

1[Option ID=17865]
2[Option ID=17866]
3[Option ID=17867]
4[Option ID=17868]

Sl. No.118
QBID:851068

मुखार दिल्ले स्वर आनी तांचे उच्चारण हांच्यो सार्थक जोडयो लायात:

List - I

- (A) ‘अ’चो निजाचो उच्चार
- (B) ‘अ’चो ओडिल्लो आंखूड उच्चार
- (C) ‘अ’चो ओडिल्लो मात्सो लांबोडो उच्चार
- (D) ‘ए’चो निजाचो उच्चार

List - II

- (I) कर, गर
- (II) अनस, अन्न
- (III) पणस, अशीर
- (IV) कॅर, पॅर
- (V) केळ, खेळ

(1)

(A)-(II), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(V)

(2) (A)-(V), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(II)

(3) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(V)

(4) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(V)

1[Option ID=17869]

2[Option ID=17870]

3[Option ID=17871]

4[Option ID=17872]

Sl. No.119

QBID:851069

कोंकणी व्याकरणाची पुस्तकां आनी तांचे कर्ते हांच्यो सार्थक जोड्यो लायात:

List - I

- (A) कोंकणी व्याकरण
 (B) लेट अस लर्न कोंकणी
 (C) म्हाका होलमल्ली कोंकणी भास
 (D) अ कोंकणी ग्रंथ

List - II

- (I) एस. जे. बोरकर
 (II) सुरेश गामचन्द्र पै
 (III) आञ्जेलुस फ्रान्सिस शाविएर माफै
 (IV) पाद्री तोमास इशतेव्हं
 (V) आर. के. राव

(1) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(V)

(2) (A)-(V), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)

(3) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(V)

(4) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)

1[Option ID=17873]

2[Option ID=17874]

3[Option ID=17875]

4[Option ID=17876]

Sl. No.120

QBID:851070

कोंकणी व्याकरणांत आशिल्ल्यो संज्ञा आनी तांचे उपयोजन करणी माध्यमां हांच्यो सार्थक जोड्यो लायात:

List - I

- (A) गुण विशेषणां
 (B) धन विशेषणां
 (C) क्रियाविशेषणांकूय लागतात
 (D) सटवी विभक्ती

List - II

- (I) 'गेलो' हे कूस संस्कृत 'अक् + इन्'कुसां लावन जालां
 (II) 'लो' कूस लावन थळ आनी काळ दाखयतली अव्ययांची रूपां कोंकणीत घोळटात.
 (III) कोंकणीत हे विभक्तीनी दोन तरांतलीं रूपां घोळटात.
 (IV) सून, थावन, थान, च्यान, साकून, थाकून हीं अव्ययां.
 (V) सर्वनामां साकून जातात.

(1) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(V)

(2) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(IV)

(3) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(V)

(4) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)

1[Option ID=17877]

2[Option ID=17878]

3[Option ID=17879]

4[Option ID=17880]

Sl. No.121

QBID:851071

कोंकणीतले चरित्र-लेखन आनी संबंधित चरित्रकार हांच्यो सार्थक जोड्यो लायात: आनी योग्य पर्याय वेंचात.

List - I

- (A) मीरा-जीवन आनी कवन
 (B) र.वि. पण्डित-जीवित आनी वावर
 (C) पुण्यात्मो राम कामती:एक दुखेस्त इतिहासीक जीण
 (D) अशो आशिल्ले राजाजी

List - II

- (I) सु. म. तडकोडकार
 (II) शरच्चन्द्र शेण्य
 (III) शणै गोंयबाब
 (IV) हरिश्चन्द्र नागवेंकार
 (V) शैलेश्चन्द्र रायकार

- (1) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(II)
 (2) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(III), (D)-(V)
 (3) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)
 (4) (A)-(V), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(I)

1[Option ID=17881]
 2[Option ID=17882]
 3[Option ID=17883]
 4[Option ID=17884]

Sl. No.122
QBID:851072

Match List I with List II :

कविता झेले आनी तांचे उजवाडणी वर्स हांच्यो फावो त्यो जोडयो लायात. आनी योग्य पर्याय वेंचात.

List - I	List - II
(A) गांटी - युसूफ अ. शेख	(I) 1984
(B) निराजन - राम बा. प्रभु चोडणेकार	(II) 1988
(C) पर्जळाचे दार - माधव बोरकार	(III) 1982
(D) औंदुंबर - रामकृष्ण जुवारकार	(IV) 1986

- (1) (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(III)
 (2) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(II)
 (3) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(II)
 (4) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(II)

1[Option ID=17885]
 2[Option ID=17886]
 3[Option ID=17887]
 4[Option ID=17888]

Sl. No.123
QBID:851073

कवितेच्यो वळी आनी ती कविता बरोवपी कवी हांच्यो फावो त्यो जोडयो लायात. आनी सकयल्या पर्यायातलो योग्यपर्याय वेंचात.

List - I	List - II
(A) तुर्वे दाखयलो बुडपाचो खीण स्मरणात गच्च जीणेचेय रीण	(I) र. वि. पंडित
(B) हजारानी आसा पती तरीय म्हजी माती पतिव्रता	(II) वामन सरदेसाय
(C) तो कृष्ण ही राधा तें प्रेम ही प्रेमाची बाधा	(III) सु. म. तडकोड
(D) नाका बा दोळ्यांत दुकां नाका गे दुकां, नमली तुका आज लक्ष लक्ष मस्तका	(IV) रमेश भगवंत वेळूस्कार

(1) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)
 (2) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(IV)
 (3) (A)-(IV), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(I)
 (4) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)

1[Option ID=17889]
 2[Option ID=17890]
 3[Option ID=17891]
 4[Option ID=17892]

Sl. No.124
QBID:851074

कॉकणीतले एकांकीकार आनी तांची एकांकी हांच्यो यथोचित, सार्थक जोड्यो लायात:

List - I

- (A) सु. म. तडकोड
 - (B) राजू नायक
 - (C) रामदास नायक
 - (D) विजय थळी
- (I) चित्रांतले घर
 - (II) कावळे
 - (III) कॅस्केड
 - (IV) भाटकाराचो कान
 - (V) कांमुलो

- (1) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(IV)
- (2) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(III), (D)-(V)
- (3) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(III), (D)-(V)
- (4) (A)-(V), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)

1[Option ID=17893]

2[Option ID=17894]

3[Option ID=17895]

4[Option ID=17896]

Sl. No.125

QBID:851075

तियात्र आनी तियात्रीस्त हांच्यो यथोचित, सार्थक जोड्यो लायात:

List - I

- (A) कॉटेच कांटे
 - (B) शंबू पसरकार
 - (C) भाइयाचो कुसवो
 - (D) भाटकारा
- (I) फ्रेडी जे. द कॉरता
 - (II) मारियो मिनीनो आरावजो
 - (III) तोमाजिन्यु कार्डोज
 - (IV) आगोस्तीन मस्कारन्हेयश
 - (V) जुवांव आगोस्तीन केन्नान्दीश

- (1) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(V)
- (2) (A)-(V), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(II)
- (3) (A)-(V), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(II)
- (4) (A)-(V), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)

1[Option ID=17897]

2[Option ID=17898]

3[Option ID=17899]

4[Option ID=17900]

Sl. No.126

QBID:851076

कॉकणी भाशेचे चलवळींत संघर्षा पासत स्थापन जाल्या संस्थाचे सार्थक क्रम खंयचो?

- (1) गोवा कॉकणी अकादमीची स्थापृष्ठ, कारवारांत कॉकणी भाशा मण्डळाची स्थापना, गैंयांत कॉकणी प्रजेचो आवाज, केळांत कॉकणी भाशा प्रचार सभा.
- (2) कारवारांत कॉकणी भाशा मंडळाची स्थापना, केरळांत कॉकणी भाशा प्रचार सभा, गैंयांत कॉकणी प्रजेचो आवाज, गोवा कॉकणी अकादमीची स्थापृष्ठ.
- (3) गोवा कॉकणी अकादमीची स्थापृष्ठ, कारवारांत भाशा मंडळाची स्थापना, केरळांत कॉकणी भाशा प्रचार सभा, गैंयांत कॉकणी प्रजेचो आवाज.
- (4) गैंयांत कॉकणी प्रजेचो आवाज, गोवा कॉकणी अकादमीची स्थापृष्ठ, कारवारांत कॉकणी भाशा मंडळाची स्थापना, केरळांत भाशा प्रचार सभा.

1[Option ID=17901]

2[Option ID=17902]

3[Option ID=17903]

4[Option ID=17904]

List - II

Sl. No.127

QBid:851077

बोली ते प्रमाणभास ह्या कॉंकणीच्या प्रवासांतल्या पेण्यांच्यो सार्थक क्रम खंयचो?

- (A) सुनितीकुमार चॅटर्जी समितीच्या अहवालाचे साहित्य अकादेमी वरवी स्वीकार
- (B) भारतीय संविधानाचे आठवे अनुसूचित वळेरीत कॉंकणी भाशेचो आस्पाव
- (C) गैंयांतल्या लोकांचो- जनमत कौल
- (D) पुराय गैंय राज्याची कॉंकणी राज्यभास

(1) (C), (D), (A), (B)

(2) (A), (B), (C), (D)

(3) (A), (C), (D), (B)

(4) (A), (D), (C), (B)

1[Option ID=17905]

2[Option ID=17906]

3[Option ID=17907]

4[Option ID=17908]

Sl. No.128

QBID:851078

मुखार दिल्ल्या संस्कृत उतरांच्या आदाराचे निष्पून निर्मणी जाल्ल्या मुळाब्या कॉंकणी उतरांचो अनुक्रम लायात:

कृतम, मृतम, पुत्रः, गतः भार्या अगत, घोटकः, अगतः

- (1) केलें, मेलें, पूत, गेलो, बायल, आयलो, घोडो, आयलो
- (2) घोडो, आयलो, केलें, मेलें, पूत, गेलो, बायल, आयलो
- (3) बायल, आयलो, घोडो, आयलो, केलें, मेलें, पूत, गेलो
- (4) पूत, गेलो, बायल, आयलो, घोडो, आयलो, केलें, मेलें

1[Option ID=17909]

2[Option ID=17910]

3[Option ID=17911]

4[Option ID=17912]

Sl. No.129

QBID:851079

मुखार दिल्ल्या प्रकाश पाडगांवकार हांच्या कविता झेल्यांच्या उजवाडणे वसाँचो यथोचित अनुक्रम लायात:

- (1) वास्कोयन, हांव मनीस अश्यत्थामो, ब्हांवती न्हय काळाची, उजवाडार्ची पावलां
- (2) उजवाडार्ची पावलां, वास्कोयन, हांव मनीस अश्यत्थामो, ब्हांवती न्हय काळाची
- (3) ब्हांवती न्हय काळाची, उजवाडार्ची पावलां, वास्कोयन, हांव मनीस अश्यत्थामो
- (4) उजवाडार्ची पावलां, वास्कोयन, ब्हांवती न्हय काळाची, हांव मनीस अश्यत्थामो

1[Option ID=17913]

2[Option ID=17914]

3[Option ID=17915]

4[Option ID=17916]

Sl. No.130

QBID:851080

मुखार दिल्ल्या निबंद झेल्यांच्या वसाँचो यथोचित अनुक्रम लायात:

- (1) वळेसर, मान्नी पुनव, गैंयची अस्मिताय, बिम्बां पडबिम्बां
- (2) गैंयची अस्मिताय, बिम्बां पडबिम्बां, वळेसर, मान्नी पुनव,
- (3) मान्नी पुनव, गैंयची अस्मिताय, बिम्बां पडबिम्बां, वळेसर
- (4) गैंयची अस्मिताय, बिम्बां पडबिम्बां, वळेसर, मान्नी पुनव

1[Option ID=17917]

2[Option ID=17918]

3[Option ID=17919]

4[Option ID=17920]

Sl. No.131

QBid:851081

साहित्य अकादमी पुरस्कार फावो जात्या कविता झेल्यांचे वर्साप्रमाण क्रम लायात:

- (A) भितरलैं तुफान
- (B) सॉम्हाचैं कान
- (C) निळें निळें ब्रह्म
- (D) सासाय
- (E) वंशकुळाचैं देणे

सकल दिल्या पर्यायातलो योग्य पर्याय वेचात

- (1) (E), (C), (A), (D), (B)
- (2) (A), (D), (C), (B), (E)
- (3) (D), (A), (B), (E), (C)
- (4) (B), (E), (D), (A), (C)

1[Option ID=17921]

2[Option ID=17922]

3[Option ID=17923]

4[Option ID=17924]

Sl. No.132

QBid:851082

कविता झेल्यांच्या उजवाडणी वर्साप्रमाण चड्डटो क्रम लायात:

- (A) चंद्रश्चर स्तोत्र-सुहास यशवंत दत्तात्रे
- (B) सडयावेलीं फुलां-बयाभाव
- (C) गोय म्हर्जे हांसतां-दियेणु मार्कुश फेनादिश
- (D) मोगाची दीलत-ब्राह्मिन्यु सुवारिश
- (E) पांयजणां-बाकीबाब बोरकार

सकल दिल्या पर्यायातलो योग्य पर्याय वेचात.

- (1) (A), (C), (D), (E), (B)
- (2) (B), (E), (A), (C), (D)
- (3) (C), (D), (B), (A), (E)
- (4) (E), (B), (C), (D), (A)

1[Option ID=17925]

2[Option ID=17926]

3[Option ID=17927]

4[Option ID=17928]

Sl. No.133

QBid:851083

वि. पंडित हांच्या जिवितातल्या घडणूकांचो वर्साप्रमाण चड्डटो क्रम लायात.

- (A) “लहारा” कोंकणी कविता झेल्याचैं विमोचन
- (B) युनायटेड पोस्ट्स लॉरिएट इंटरनेशनल हो आंतरराष्ट्रीय पातळीवेलो पुरस्कार
- (C) गोमन्तभारतीतल्यान बरपावळ प्रसिद्ध
- (D) भारत शासनाची ‘पद्मश्री’ पदवी फाव जाली
- (E) गोवन कम्युनिटी हे संघटनेची थापणूक

सकल दिल्या पर्यायातलो योग्य पर्याय वेचात

- (1) (E), (C), (A), (B), (D)
- (2) (B), (A), (D), (C), (E)
- (3) (E), (C), (B), (A), (D)
- (4) (C), (A), (E), (D), (B)

1[Option ID=17929]

2[Option ID=17930]

3[Option ID=17931]
4[Option ID=17932]

Sl. No.134
QBID:851084

फाकिवन्त कोंकणी नाटककार पुण्डलीक नारायण नायक हांकां लाबिल्ल्या म्हत्वाच्या पुरस्कारांचो यथोचित कालानुक्रम लायात.

- (1) कोंकणी भाशा मण्डळ (गोंय) साहित्य पुरस्कार, गोंय कला अकादेमी साहित्य पुरस्कार, 'चौरंग' एकांकी झेल्याक सहित्य अकादमी पुरस्कार, 'मर्णकटो' नाटकाक अखिल भारतीय आकाशवाणी नाट्यसर्तीत पुरस्कार, गोमन्त शारदा पुरस्कार
- (2) गोंय कला अकादेमी साहित्य पुरस्कार, 'चौरंग' एकांकी झेल्याक साहित्य अकादमी पुरस्कार, 'मर्णकटो' नाटकाक अखिल भारतीय आकाशवाणी नाट्यसर्तीत पुरस्कार, कोंकणी भाशा मण्डळ (गोंय) साहित्य पुरस्कार, गोमन्त शारदा पुरस्कार
- (3) गोंय कला अकादेमी साहित्य पुरस्कार, 'मर्णकटो' नाटकाक अखिल भारतीय आकाशवाणी नाट्यसर्तीत पुरस्कार, कोंकणी भाशा मण्डळ (गोंय) साहित्य पुरस्कार, गोमन्त शारदा पुरस्कार, 'चौरंग' एकांकी झेल्याक साहित्य अकादमी पुरस्कार
- (4) अखिल भारतीय आकाशवाणी नाट्यसर्तीत पुरस्कार, कोंकणी भाशा मण्डळ (गोंय) साहित्य पुरस्कार, गोमन्त शारदा पुरस्कार

1[Option ID=17933]
2[Option ID=17934]
3[Option ID=17935]
4[Option ID=17936]

Sl. No.135
QBID:851085

"उगडास पटी" ह्या अनंत केळकार हांच्या निबंदातल्यान मेळिल्ल्या तांच्या जिणेतल्या घडणुकांचो क्रम लायात.

- (A) "कालचक्र" ह्या सदराची वितरावणी
(B) आकाशवाणी वेल्यान पयले खबरापत्र वाचले.
(C) आकाशवाणी वेल्यान निवृती
(D) महाराष्ट्र परिचय केंद्राच्या सेवेत रुजू.
(E) आकाशवाणी पणजी केंद्राच्या सेवेत रुजू.

सकल दिल्या पर्यायातलो योग्य पर्याय वेचात.

- (1) (A), (D), (E), (B), (C)
(2) (C), (A), (B), (D), (E)
(3) (D), (E), (B), (A), (C)
(4) (B), (C), (A), (E), (D)

1[Option ID=17937]
2[Option ID=17938]
3[Option ID=17939]
4[Option ID=17940]

Sl. No.136
QBID:851086

सकयल दोन विधानां दिल्यात. तांतूतले (A) हें विधान आसा आनी (R) हें विधान ताचें कारण जावन आसा.

- (A) : द्वरण्याचें अस्तित्व आनी म्हत्य लोकमानसांतल्यान नश्ट जाला.
(R) : पुरातन संस्कृती फार्टी पढून आयज गतिमान यंत्रयुग आयला.

सकल दिल्या पर्यायातलो योग्य पर्याय वेचात.

- (1) आनी (R) विधानां बरोबर आसात आनी (R) हें (A) चें बरोबर स्पश्टीकरण आसा.
(2) आनी (R) विधानां बरोबर आसात पुण (R) हें (A) चें बरोबर स्पश्टीकरण ना.
(3) विधान (A) बरोबर पुण विधान (R) चूक
(4) विधान (A) चूक पुण विधान (R) बरोबर

1[Option ID=17941]
2[Option ID=17942]
3[Option ID=17943]
4[Option ID=17944]

Sl. No.137
QBID:851087

. सक्यल दोन विधानां दिल्यात. तांतूतले (A) हें विधान आसा आनी (R) हे विधान ताचें कारण जावन आसा.

(A) : खरेपणान 'करबट' हें नांव ह्या झेल्याक सर्वार्थान सोबता

(R) : करबटांत फकत विचारप्रवर्तक निबंद आसात.

सकल दिल्ल्या पर्यायातलो योग्य पर्याय वेचात.

(1) (A) आनी (R) दोनूय विधानां बरोबर आसात आनी (R) हें (A) चें बरोबर स्पश्टीकरण आसा.

(2) (A) आनी (R) दोनूय बरोबर आसात पुण (R) हें (A) चें बरोबर स्पश्टीकरण ना.

(3) विधान (A) बरोबर पुण विधान (R) चूक

(4) विधान (A) चूक पुण विधान (R) बरोबर

1[Option ID=17945]

2[Option ID=17946]

3[Option ID=17947]

4[Option ID=17948]

Sl. No.138

QBID:851088

सक्यल दोन विधानां दिल्यात. तांतूतले (A) हें विधान आसा आनी (R) हें विधान ताचें कारण जावन आसा.

(A) : पोर्सो निबंध वा वैचारिक लेख म्हणाटात ताचो हेतू स्पश्ट आसताले

(R) : एकांद्रे मत मांडूक वा खोडून काढूक लेखक हातात पेन उखलताले

सकल दिल्ल्या पर्यायातलो योग्य पर्याय वेचात.

(1) (A) आनी (R) दोनूय विधानां बरोबर आसात आनी (R) हें (A) चें बरोबर स्पश्टीकरण आसा.

(2) (A) आनी (R) दोनूय विधानां बरोबर आसात पुण (R) हें (A) चें बरोबर स्पश्टीकरण ना.

(3) विधान (A) बरोबर पुण विधान (R) चूक

(4) विधान (A) चूक पुण विधान (R) बरोबर

1[Option ID=17949]

2[Option ID=17950]

3[Option ID=17951]

4[Option ID=17952]

Sl. No.139

QBID:851089

Given below are two statements : One is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as

Reason (R) :

(A) : सर फिलिप सिडनेच्या इंग्लिश साहित्यशास्त्राच्या विर्शीची पुराय बरपावळ आशिल्या पुस्तकाक आद्यग्रंथ म्हणाटात,
कारण

(R) : ताच्या मरणा उपरांत विंगड विंगड प्रकाशकांनी 'द डिफेन्स ऑब्झ योएसी' तेच परी 'एन अपोलॉजी' अशा दोन
माथाळ्यांनी विमोचित केल्या ह्या ग्रंथांत अभिजात ग्रीक, रोमन आनी युरोपीय साहित्यिकांचो परामर्श घेतिल्लो आसा .

सकल दिल्ल्या पर्यायातलो योग्य पर्याय वेचात.

(1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)

(2) Both (A) and (R) are true but (R) is NOT the correct explanation of (A)

(3) (A) is true but (R) is false

(4) (A) is false but (R) is true

1[Option ID=17953]

2[Option ID=17954]

3[Option ID=17955]

4[Option ID=17956]

Sl. No.140

QBID:851090

Given below are two statements : One is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R) :

(A) : आशय सुत्रांच्या (thematology) आनी रूपचिन्हांच्या तुळात्मक अभ्यासा वरवी साहित्यकांचो पावंडो, ताचे लेखनाचो आवांठ, आनी ताच्या बरपाचो हेर भासांतल्या साहित्यनिर्मणेचर जाल्लो प्रभाव मर्तीत येवंक पावता;

(R) : कारण आशय सुत्रां वरवी साहित्यकाची शैली, मांडणी करपाची पद्दत आनी ट्रृटिकोण हांच्या हाताळण्ठीतल्यान ताच्या सर्जनशीलतेचो नक्सूदपणान वेघ, घेवंक शक्य जाता.

सकल दिल्या पर्यायातलो योग्य पर्याय वेचात.

- (1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)
- (2) Both (A) and (R) are true but (R) is NOT the correct explanation of (A)
- (3) (A) is true but (R) is false
- (4) (A) is false but (R) is true

1[Option ID=17957]
2[Option ID=17958]
3[Option ID=17959]
4[Option ID=17960]

Sl. No.141
QBID:851091

सक्यल दिल्ली कविता वाचून तिचे सक्यल दिल्या, प्रस्नांच्यो जापे दियात.

म्हज्या मना-मोगेरे कळी
फुलत जाल्यार फुलतली
एकसुरीच काळखा-कुशीत
रात जागयत परमळटली

नखेत्रांचे दुदा-दोळे
पळौन लहवूच भुरकुटटली
ताळयेच्या तन्या मांडयेर
वान्यार सुरार घोलतली

संसाराची संगर्वीच कुटां
दुखां, व्यथा विसरतली
निर्झोलेल्या धरतीचेर
सर्ग नवो सोदतली
म्हज्या मना मोगेरे कळी
फुलत जाल्यार फुलतली
एकसुरीच काळखा-कुशीत
रात जागयत परमळटली

मोगेरे कळी हें किद्याचें प्रतीक आसा?

- (1) रात
- (2) नखेत्र
- (3) कवीमन
- (4) काळोख

1[Option ID=17961]
2[Option ID=17962]
3[Option ID=17963]
4[Option ID=17964]

Sl. No.142
QBID:851092

सक्यल दिल्ली कविता वाचून तिचे सक्यल दिल्या, प्रसानंच्यो जापो दियात.

म्हज्या मना-मोगरे कळी
फुलत जाल्यार फुलतली
एकसुरीच काळखा-कुशींत
रात जागयत परमळटली

नखेत्रांचे दुदा-दोळे
पळैन लहवूच भुरकुट्टली
ताळ्येच्या तन्या मांडयेर
वान्यार सुरार धोलतली

संसाराची संगर्भीच कुटां
दुखां, व्यथा विसरतली
निशेलेल्या धरतीचेर
सर्ग नवो सोदतली

म्हज्या मना मोगरे कळी
फुलत जाल्यार फुलतली
एकसुरीच काळखा-कुशींत
रात जागयत परमळटलीं

‘ताळ्येच्या तन्या मांडयेर’ कोण धोलतली?

- (1) मन
- (2) मोगरेकळी
- (3) फुलां कळी
- (4) मना कळी

1[Option ID=17965]

2[Option ID=17966]

3[Option ID=17967]

4[Option ID=17968]

Sl. No.143
QBID:851093

सक्यल दिल्ली कविता वाचून तिचे सक्यल दिल्या, प्रसानंच्यो जापो दियात.

म्हज्या मना-मोगरे कळी
फुलत जाल्यार फुलतली
एकसुरीच काळखा-कुशींत
रात जागयत परमळटली

नखेत्रांचे दुदा-दोळे
पळैन लहवूच भुरकुट्टली
ताळ्येच्या तन्या मांडयेर
वान्यार सुरार धोलतली

संसाराची संगर्भीच कुटां
दुखां, व्यथा विसरतली
निशेलेल्या धरतीचेर
सर्ग नवो सोदतली

म्हज्या मना मोगरे कळी
फुलत जाल्यार फुलतली
एकसुरीच काळखा-कुशींत
रात जागयत परमळटलीं

वान्यार सुरार धोलप म्हळ्यार -

- (1) एकसुरीच रावप
- (2) निशेवप
- (3) खोशी जावप
- (4) रात जागोवप

1[Option ID=17969]

2[Option ID=17970]

3[Option ID=17971]

4[Option ID=17972]

Sl. No.144

QBid:851094

सक्यल दिल्ली कविता वाचून तिचे सक्यल दिल्या, प्रस्नांच्यो जापेदियात.

म्हज्या मना-मोगेरे कळी
फुलत जाल्यार फुलतली
एकसुरीच काळखा-कुशीत
रात जागयत परमळटली

नखेत्रांचे दुदा-दोळे
पळौन लहवूच भुरकुट्टली
ताळयेच्या तन्या माडयेर
वाळ्यार सुरार थोलतली

संसाराची संगर्वीच कुटां
दुखां, व्यथा विसरतली
निर्णेलेल्या धर्तीचेर
सर्ग नवो सोदतली

म्हज्या मना मोगेरे कळी
फुलत जाल्यार फुलतली
एकसुरीच काळखा-कुशीत
रात जागयत परमळटली

कळी खंय परमळटली ?

- (1) धर्तीचेर
- (2) सर्गात
- (3) वाळ्यार
- (4) काळखांत

1[Option ID=17973]

2[Option ID=17974]

3[Option ID=17975]

4[Option ID=17976]

Sl. No.145

QBid:851095

सक्यल दिल्ली कविता वाचून तिचे सक्यल दिल्या, प्रस्नांच्यो जापेदियात.

म्हज्या मना-मोगेरे कळी
फुलत जाल्यार फुलतली
एकसुरीच काळखा-कुशीत
रात जागयत परमळटली

नखेत्रांचे दुदा-दोळे
पळौन लहवूच भुरकुट्टली
ताळयेच्या तन्या माडयेर
वाळ्यार सुरार थोलतली

संसाराची संगर्वीच कुटां
दुखां, व्यथा विसरतली
निर्णेलेल्या धर्तीचेर
सर्ग नवो सोदतली

म्हज्या मना मोगेरे कळी
फुलत जाल्यार फुलतली
एकसुरीच काळखा-कुशीत
रात जागयत परमळटली

हे कवितेतल्यान कवी ताच्या मनाची कसलीं अवतीकाय सांगूक सोदता ?

- (1) निर्णेणी
- (2) दुखेस्त
- (3) एकसुरेपण
- (4) खोशी

1[Option ID=17977]

2[Option ID=17978]

3[Option ID=17979]
4[Option ID=17980]

Sl. No.146
QBid:851096

सकयल दिल्लो गद्यांश नक्सूदपणान वाचात आनी ताचे पोन्दा दिल्ल्या प्रस्नांची अर्थपुराय उत्तरां वेंचून काडात:

कोंकणीन 10व्या शेंकडयाच्या अदमासाक भाशेचे रूप घेतले, अशें चडशा विद्वानांचे महणणे. कोंकणी भाशेचे विद्वान्य आनी वस्तुनिष्ठ संशोधक दोतोर सुमित्र मंगेश करे, रावसाहेब दो. वि. पी. चव्हाण, दो.सु.बा कुलकर्णी हांगीय तशा अर्थाचे अभ्यासपुराय ग्रंथलेखन केलां-रूप घेवाची ही घडण्क म्हळ्यार कोंकणीची उत्पती अशें म्हणूक जाय. कोंकणी भाशेच्या अस्तित्वा पासत जाय आशिल्ले आंदोलन अशें महणप समा न्हय. 16व्या शेंकडयाच्या मध्यावर्धीत कृष्णदास शामा हांच्यो रामायण तेच परी महाभारत ह्या महाकाव्यांतलो गद्यांत रचिलयो कथा त्याच समायाव बरोवन जाल्यो हे रचणुके फाटल्यांन तांच्यो प्रेरणा किंते आशिल्ल्यो म्हणपाची कारणां आजूनय स्पष्टतातेन उमजानात. घडये गोंयचे आस्मितायेच्या कारणाक लागून कोंकणीची उदरगत करपाची आत्मगत प्रेरणा आसू येता.

परन्त 16व्या शेंकडयांत गोंयांत राज्यशक्त चलोवंक आयिल्ल्या (खरेपणी आफोवन हाडिल्ल्या) किरिस्तांव धर्मप्रसारकांच्यो प्रेरणा सुर्यशट आशिल्ल्यो तांका तांचो धर्म प्रसारित जावक जाय आशिल्लो, आनी तांकां संत्तेचे बळ लविल्ले. धर्मप्रसाराचे दिकेन वचपा पासत गोंय प्रांतिक परिशदेच्या, 1567, 1574, 1575, 1492 आनी 1606 ह्या काळातली सांमेलनांनी पारित जाल्लीं आजापत्रां आनी अधिनियम मानून घेतिल्लीं शेंकी फान्सिस्कन पंथीय क्रिस्ती धर्मप्रसारकांक थकाव्या भासांचे तरों आकर्षण नासल्यार्य जेजीत पंथीय क्रिस्ती धर्म प्रसारकांल्या 'सोसायटी ऑफ जीझस' हे संस्थेत थळाव्या भासांना बरपावळ करूक जाय म्हणपाची वेवस्था आशिल्ली. देखून 17व्या शेंकडयांत हे भाशेच्या अभ्यासाक तेच परी तिच्यातले साहित्याचे रचणुके क आरंब जालो अशें दिसता. अनुमानान शंबर एक वर्सी हो मोलाटीक वार चल्लो. त्या काळांन कोंकणीत मोटया उत्ताहान आनी व्हडा संछेन व्याकरणां उत्तरावळी, शब्दकोश, धार्मिक प्रश्नोत्तरी, चरित्रां हांची बरपां जारी. 27 जून 1684 हो दीस गोंयच्या इतिहासांत म्हत्त्वाचे थारता, कारण गोंयचो ब्हाईसर्य फ्रान्सिस द ताज्हेरान कोंकणी भास उलोवपाची, बरोवपाची, वाचपाची मान्यताय काढून घेतली. उपरान्त ते बरपावळेच्या निर्मिणक खंड पडलो तो पडलो. सामान्य समर्थीतय तितली उर्बा नाशिल्ली आनी राजकी तेच परी धार्मिक पर्यावरण अशें आशिल्लें की कोंकणीची कास धरपा इतली उमळशिकेची निर्मणी जावक पावली ना. कोंकणीचे आंदोलन 17व्या शेंकडयांत जावंक पावरले ना, कारण आपणाले भाशेविशी उत्तान जावंवै अशी: परिस्थिती नाशिल्ली ह्या आंदोलनाच्या मुळसाठ गोंयचे आस्मितायेचो आनी आस्तित्वाचे समस्येची बसका आसूक जाय आशिल्ली.

गोंयांत पुरुगाली शासकांचो प्रतिनिधि म्हून प्रमुख सचिव पदावर वावर करपी ज्योकीं इलियोदोर द कुन्य रिहाहर 1855त गोंयांत आयलो ताणे एक पक्षी प्रशासन सांबाळले आनी हो. वटेन कोंकणीच्या उद्धाराचेय ब्रत घेतले. 1858 त ताणे कोंकणी विशीं इतिहासिक निबंद बरोवन एक व्हडले इतिहासिक कार्यच केले. अशें म्हणू येता. कोंकणी निबंद बरोवपापासत, ताणे कोंकणी भाशेचो, तिरूत आशिल्ला भरयोस साहित्याचो संशोधन पुराय नियाळ घेतलो. गोंय प्रांतिक परिशदेची 1567, 1575, 1585, 1592 आनी 1606 ह्या काळांतल्या संमेलनांनी जीं आजापानी आनी अधिनियम मानून घेतिल्ले तांचे आस्तित्व तरों अंधुक जावंक नाशिल्ले. अशे फाटभुयेर मैसियोर रिहाहान साबार कोंकणीक मायभास मानतल्यांक उलो मारुन म्हळें, कोंकणीची व्हडविक उमजून घेयात. तिका पिडापीड कोणे, तेच परी कशे तरेन केली, तिचे संबंदान इतिहास नियाळात संस्कृतीक, सामाजीक, शिक्षणीक आनी दीसपटे जिणेचे मळानी तिचे उपयोजन करूक लजू नाकात.

कोंकणी भाशेचे आंदोलन म्हळ्यार किंते?

- (1) कोंकणी भाशेची उत्पती कशी जाली ह्या संबंदातले संशोधन.
- (2) कोंकणी भाशेन स्वतंत्र रूप घेवचे म्हून करपाची बरपावळ
- (3) कोंकणी भाशेंत बरपावळ करपा फाटल्यान प्रेरणा किंते, हे सोदून काडपा पासत केल्ली कार्यावळ
- (4) कोंकणी समर्टीच्या संस्कृतीक, समाजीक, शिक्षणीक अस्तित्वा पासत केल्ली प्रखर आंदोलनां

1[Option ID=17981]
2[Option ID=17982]
3[Option ID=17983]
4[Option ID=17984]

Sl. No.147
QBid:851097

सक्यल दिल्लो गद्यांश नक्सूदपणान वाचात आनी ताचे पोन्दा दिल्ल्या प्रसनांची अर्थपुराय उत्तरां वेळून काडात:

कोंकणीन 10व्या शेंकडयाच्या अदमासाक भाषेचे रूप घेतलें, अशें चडशा विद्वानांचे म्हणें. कोंकणी भाषेचे विद्मान्य आनी वस्तुनिष्ठ संशोधक दोतोर सुमित्र मंगेश करे, रावसाहेब दो. वि. पी. चब्हाण, दो.सु.बा कुलकर्णी हांणीय तशा अर्थाचे अभ्यासपुराय ग्रंथलेखन केलां-रूप घेवाची ही घडणक महव्यार कोंकणीची उत्पत्ती अशें म्हणूक जाय. कोंकणी भाषेच्या अस्तित्वा पासत जाय आशिल्ले अंदोलन अशें म्हणप समा न्हय. 16व्या शेंकडयाच्या मध्यावधीत कृष्णदास शामा हांच्यो रामायण तेच परी महाभारत ह्या महाकाव्यांतलो गद्यांत रचिल्याचे कथा त्याच समावार बरोवन जाल्यो हे रचणुके फाटल्यांन तांच्यो प्रेरणा किंते आशिल्ल्यो म्हणपाची कारणां आजूनय स्पष्टतायेन उमजनात. घडये गोंयचे आस्मितायेच्या कारणाक लागून कोंकणीची उदरगत करपाची आत्मगत प्रेरणा आसू येता.

परन्त 16व्या शेंकडयांत गोंयांत राज्यशक्त चलोवंक आयिल्ल्या (खरेणी आफोवन हाडिल्ल्या) किरिस्तांव धर्मप्रसारकांच्यो प्रेरणा सुस्पष्ट आशिल्ल्यो तांका तांचो धर्म प्रसारित जावक जाय आशिल्लो, आनी तांका सत्तेचे बळ लाबिल्लें. धर्मप्रसाराचे दिकेन वचपा पासत गोंय प्रांतिक परिशदेच्या, 1567, 1574, 1575, 1492 आनी 1606 ह्या काळातली सांमेलनांनी पारित जालीं आज्ञापत्रां आनी अधिनियम मानून घेतिलीं शेकी फान्सिसकन पंथीय क्रिस्ती धर्मप्रसारकांक थकाव्या भासांचे तशें आकर्षण नासल्यारव जेज्वीत पंथीय क्रिस्ती धर्म प्रसारकांल्या 'सोसायटी ऑफ जीझस' हे संस्थेत थळाव्या भासांत बरपावळ करूक जाय म्हणपाची वेवस्था आशिल्ली. देखून 17व्या शेंकडयांत हे भाषेच्या अभ्यासाक तेच परी तिच्यातले साहित्याचे रचणुके क आरंब जालो अशें दिसता. अनुमानान शंबर एक वसां हो मोलादीक वावर चल्लो. त्या काळांन कोंकणीत मोट्या उत्साहान आनी व्हडा संछेयन व्याकरणां उत्तरावळी, शब्दकोश, धार्मिक प्रश्नोत्तरी, चरित्रां हांची बरपां जालीं. 27 जून 1684 हो दीस गोंयच्या इतिहासांत म्हत्त्वाचे थारता, कारण गोंयचो ब्हाईसरंरव फ्रान्सिस द ताळ्होरान कोंकणी भास उलोवपाची, बरोवपाची, वाचपाची मान्यताय काढून घेतली. उपरान्त ते बरपावळेच्या निर्मिणक खुंड पडलो तो पडलो. सामान्य समशीतल्य तितली उर्बा नाशिल्ली आनी राजकी तेच परी धर्मिक पर्यावरण अशें आशिल्लें की कोंकणीची कास धरपा इतली उमळशिकेची निर्मणी जावक पावली ना. कोंकणीचे अंदोलन 17व्या शेंकडयांत जावंक पावरते ना, कारण आपणाले भाशेविशी उत्तान जावंचे अशी: परिस्थिती नाशिल्ली ह्या अंदोलनाच्या मुळसांत गोंयचे आस्मितायेचो आनी आस्तित्वाचे समस्येची बसका आसूक जाय आशिल्ली.

गोंयांत पुरुगाली शासकांचो प्रतिनिधि म्हून प्रमुख सचिव पदावरे वावर करपी ज्योकीं इलियोदोर द कुन्य रिव्हार 1855त गोंयांत आवलो ताणे एक पक्षी प्रशासन सांबाळले आनी हो वटेन कोंकणीच्या उद्गाराचेय ब्रत घेतलें. 1858 त ताणे कोंकणी विशीं इतिहासिक निंबंद बरोवन एक बहूलें इतिहासिक कार्यवंक केलें. अशें म्हणून येता. कोंकणी निंबंद बरोवपापासत, ताणे कोंकणी भाषेचो, तिरूत आशिल्ला. भरयोस साहित्याचो संशोधन पुराय नियाळ घेतलो. गोंय प्रांतिक परिशदेची 1567, 1575, 1585, 1592 आनी 1606 ह्या काळांतल्या सांमेलनांनी जीं आज्ञापत्रां आनी अधिनियम मानून घेतिल्ले तांचे आस्तित्व तशें अंधूक जावंक नाशिल्लें. अशे फाटभुंये मैसियोर रिव्हारान साबार कोंकणीक मायभास मानतल्यांक उलो मारून म्हळें, कोंकणीची व्हडविक उमजून घेयात. तिका पिडापीड कोणे, तेच परी कशे तरेन केली, तिचे संबंदन इतिहास नियाळात संस्कृतीक, सामाजीक, शिक्षणीक आनी दीसपटे जिणेचे मठांनी तिचे उपयोजन करूक लजू नाकात.

दो. सुमित्र मंगेश करे आनी रावसाहेब दो. वि. पी. चब्हाण हांणी कोंकणी पासत किंते केलें?

- (1) दो.सु.म. करेन 'फार्मेशन ऑफ कोंकणी' आनी रावसोहब चब्हाणान द कोंकण अँड द कोंकणी लॅंग्वेज' हीं पुस्तकां बरयली
- (2) दो.सु.बा. कुलकर्णील्या कोंकणी विशीच्या संशोधनाचे दायज चलयलें
- (3) कृष्णदास शामा हांका कोंकणीविशीची उत्पत्ती सोदूंक प्रेरणा दिली
- (4) किरिस्तांव धर्मप्रसारकांच्यो प्रेरणा सुस्पष्ट केल्यो

1[Option ID=17985]

2[Option ID=17986]

3[Option ID=17987]

4[Option ID=17988]

SI. No.148

QBid:851098

सक्यल दिल्लो गद्यांश नक्सदृपणान वाचात आनी ताचे पोन्दा दिल्ल्या प्रसनांची अर्थपुराय उत्तरां वेळून काडात:

कोंकणीन 10व्या शेंकडयाच्या अदमासाक भाशेचे रूप घेतलें, अशें चडशा विद्वानांचे म्हणें. कोंकणी भाशेचे विद्मान्य आनी वस्तुनिष्ठ संशोधक दोतोर सुमित्र मंगेश करै, रावसाहेब दो. व्हि. पी. चब्हाण, दो.सु.बा कुलकर्णी हांगीय तशा अर्थाचे अभ्यासपुराय ग्रंथलेखन केलां-रूप घेवाची ही घडणक महव्यार कोंकणीची उत्तरी अशें म्हणूक जाय. कोंकणी भाशेच्या अस्तित्वा पासत जाय आशिल्ले अंदोलन अशें म्हणप समा न्हय. 16व्या शेंकडयाच्या मध्यावधीत कृष्णदास शामा हांच्यो रामायण तेच परी महाभारत ह्या महाकाव्यांतलो गद्यांत रचिल्याचे कथा त्याच समायार बरोवन जाल्यो हे रचणुके फाटल्यांन तांच्यो प्रेरणा किंते आशिल्ल्यो म्हणपाची कारणां आजूनय स्पष्टतायेन उमजनात. घडये गोंयचे आस्मितायेच्या कारणाक लागून कोंकणीची उदरगत करपाची आत्मगत प्रेरणा आसू येता.

परन्त 16व्या शेंकडयांत गोंयांत राज्यशक्त चलोवंक आयिल्ल्या (खरेणी आफोवन हाडिल्ल्या) किरिस्तांव धर्मप्रसारकांच्यो प्रेरणा सुस्पष्ट आशिल्ल्यो तांका तांचो धर्म प्रसारित जावक जाय आशिल्लो, आनी तांका सत्तेचे बळ लविल्लें. धर्मप्रसाराचे दिकेन वचपा पासत गोंय प्रांतिक परिशदेच्या, 1567, 1574, 1575, 1492 आनी 1606 ह्या काळातली सांमेलनांनी पारित जालीं आज्ञापत्रां आनी अधिनियम मानून घेतिलीं शेकी फान्सिसकन पंथीय क्रिस्ती धर्मप्रसारकांक थकाव्या भासांचे तशें आकर्षण नासल्यारय जेज्वीत पंथीय क्रिस्ती धर्म प्रसारकांल्या 'सोसायटी ऑफ जीझस' हे संस्थेत थळाव्या भासांत बरपावळ करूक जाय म्हणपाची वेवस्था आशिल्ली. देखून 17व्या शेंकडयांत हे भाशेच्या अभ्यासाक तेच परी तिच्यातले साहित्याचे रचणुके क आरंब जालो अशें दिसता. अनुमानान शंबर एक वसीं हो मोलादीक वावर चल्लो. त्या काळांन कोंकणीत मोट्या उत्साहान आनी व्हडा संछेयन व्याकरणां उतरावळी, शब्दकोश, धार्मिक प्रश्नोत्तरी, चरित्रां हांची बरपां जालीं. 27 जून 1684 हो दीस गोंयच्या इतिहासांत म्हत्त्वाचे थारता, कारण गोंयचो ब्हाईसरंवय फ्रान्सिस द ताळ्होरान कोंकणी भास उलोवपाची, बरोवपाची, वाचपाची मान्यताय काढून घेतली. उपरान्त ते बरपावळेच्या निर्मिणक खंड पडलो तो पडलो. सामान्य समशीतल्य तितली उर्बा नाशिल्ली आनी राजकी तेच परी धर्मिक पर्यावरण अशें आशिल्लें की कोंकणीची कास धरपा इतली उमळशिकेची निर्मणी जावक पावली ना. कोंकणीचे अंदोलन 17व्या शेंकडयांत जावंक पावरले ना, कारण आपणाले भाशेविशी उत्तान जावंचे अशी: परिस्थिती नाशिल्ली ह्या अंदोलनाच्या मुळसांत गोंयचे आस्मितायेचो आनी आस्तित्वाचे समस्येची बसका आसूक जाय आशिल्ली.

गोंयांत पुरुगाली शासकांचो प्रतिनिधि म्हूऱ प्रमुख सचिव पदावरे वावर करपी ज्योकीं इलियोदोर द कुन्य रिव्हार 1855त गोंयांत आयलो ताणे एक पक्षी प्रशासन सांबाळले आनी हो वटेन कोंकणीच्या उद्गाराचेय ब्रत घेतलें. 1858 त ताणे कोंकणी विशीं इतिहासिक निंबंद बरोवन एक बहूलें इतिहासिक कार्यवंत केलें. अशें म्हणूं येता. कोंकणी निंबंद बरोवपापासत, ताणे कोंकणी भाशेचो, तिरुंत आशिल्ला भरपोस साहित्याचो संशोधन पुराय नियाळ घेतलो. गोंय प्रांतिक परिशदेची 1567, 1575, 1585, 1592 आनी 1606 ह्या काळातल्या संमेलनांनी जीं आज्ञापत्रां आनी अधिनियम मानून घोतिल्ले तांचे आस्तित्व तशें अंधूक जावंक नाशिल्लें. अशे फाटभुये मैसियोर रिव्हारान साबार कोंकणीक मायभास मानतल्यांक उलो मारुन म्हळें, कोंकणीची व्हडविक उमजून घेयात. तिका पिडापीड कोणे, तेच परी कशे तरेन केली, तिचे संबंदान इतिहास नियाळात संस्कृतीक, सामाजीक, शिक्षणीक आनी दीसपटे जिणेचे मठांनी तिचे उपयोगन करूक लजू नाकात.

सतराव्या शेंकडयांत गोंयातलें कोंकणीत जोज्वितांनी व्याकरणां, उतरावळी, शब्दकोश, धार्मिक प्रश्नोत्तरी, चरित्रां हांची बरपां केलीं कारण-

- (1) तांका स्वयंस्फूर्त जाली
- (2) गोंय प्रांतिक परिशदेची आज्ञापत्रां आनी अधिनियम हांचे वरवीं तांका तशें करचे पडलें
- (3) तांका तांचे संस्थेन तशें करपाची वेवस्था करून दवरिल्ली
- (4) अनुमान 100 एक वसीं हो मोलादीक वावर करूक संद लाबली

1[Option ID=17989]
2[Option ID=17990]
3[Option ID=17991]
4[Option ID=17992]

Sl. No.149
QBid:851099

सक्यल दिल्लो गद्यांश नक्सूदपणान वाचात आनी ताचे पोन्दा दिल्ल्या प्रसनांची अर्थपुराय उत्तरां वेळून काढात:

कोंकणीन 10व्या शेंकडयाच्या अदमासाक भाशेचे रूप घेतलें, अशें चडशा विद्वानांचे महणें. कोंकणी भाशेचे विद्मान्य आनी वस्तुनिष्ठ संशोधक दोतोर मुमिन मंगेश करै, रावसाहेब दो. व्हि. पी. चव्हाण, दो.सु.बा कुलकर्णी हांगीय तशा अर्थाचे अभ्यासपुराय ग्रंथलेखन केलां-रूप घेवपाची ही घडणक महव्यार कोंकणीची उत्तरी अशें म्हणूक जाय. कोंकणी भाशेच्या अस्तित्वा पासत जाय आशिल्ले अंदोलन अशें महणप समा न्हय. 16व्या शेंकडयाच्या मध्यावधीत कृष्णदास शामा हांच्यो रामायण तेच परी महाभारत ह्या महाकाव्यांतलो गद्यात रचिल्याचे कथा त्याच समायार बरोवन जाल्यो हे रचणुके फाटल्यांन तांच्यो प्रेरणा किंते आशिल्ल्यो म्हणपाची कारणां आजूनय स्पष्टतायेन उमजनात. घडये गोंयचे आस्मितायेच्या कारणाक लागून कोंकणीची उदरगत करपाची आत्मगत प्रेरणा आसू येता.

परन्त 16व्या शेंकडयांत गोंयांत राज्यशक्त चलोवंक आयिल्ल्या (खरेणी आफोवन हाडिल्ल्या) किरिस्तांव धर्मप्रसारकांच्यो प्रेरणा सुस्पष्ट आशिल्ल्यो तांका तांचो धर्म प्रसारित जावक जाय आशिल्लो, आनी तांका सत्तेचे बळ लविल्लें. धर्मप्रसाराचे दिकेन वचपा पासत गोंय प्रांतिक परिशदेच्या, 1567, 1574, 1575, 1492 आनी 1606 ह्या काळातली सांमेलनांनी पारित जाल्लीं आज्ञापत्रां आनी अधिनियम मानून घेतिल्लीं शेकी फान्सिस्कन पंथीय क्रिस्ती धर्मप्रसारकांक थकाव्या भासांचे तशें आकर्षण नासल्यारय जेज्वीत पंथीय क्रिस्ती धर्म प्रसारकांल्या 'सोसायटी ऑफ जीझस' हे संस्थेत थळाव्या भासांत बरपावळ करूक जाय म्हणपाची वेवस्था आशिल्ली. देखून 17व्या शेंकडयांत हे भाशेच्या अभ्यासाक तेच परी तिच्यातले साहित्याचे रचणुके आरंब जालो अशें दिसता. अनुमानान शंबर एक वसां हो मोलादीक वावर चल्लो. त्या काळांन कोंकणी मोट्या उत्साहान आनी व्हडा संछेन व्याकरणां उत्तरावळी, शब्दकोश, धार्मिक प्रश्नोत्तरी, चरित्रां हांची बरपां जाली. 27 जून 1684 हो दीस गोंयच्या इतिहासांत म्हत्त्वाचे थारात, कारण गोंयचो ब्हाईसरंरय फ्रान्सिस द ताळ्होरान कोंकणी भास उलोवपाची, बरोवपाची, वाचपाची मान्यताय काळून घेतली. उपरान्त ते बरपावळेच्या निर्मिणक खुंड पडलो तो पडलो. सामान्य समशीतल्य तितली उर्बा नाशिल्ली आनी राजकी तेच परी धर्मिक पर्यावरण अशें आशिल्लें की कोंकणीची कास धरपा इतली उमळशिकेची निर्मणी जावक पावली ना. कोंकणीचे अंदोलन 17व्या शेंकडयांत जावंक पावरले ना, कारण आपणाले भाशेविशी उत्तान जावंचे अशी: परिस्थिती नाशिल्ली ह्या अंदोलनाच्या मुळसांत गोंयचे आस्मितायेचो आनी आस्तित्वाचे समस्येची बसका आसूक जाय आशिल्ली.

गोंयांत पुरुगाली शासकांचो प्रतिनिधि म्हून प्रमुख सचिव पदावरे वावर करपी ज्योकीं इलियोदोर द कुन्य रिल्हार 1855त गोंयांत आवलो ताणे एक पक्षी प्रशासन सांबाळले आनी हेर वटेन कोंकणीच्या उद्गाराचेय ब्रत घेतलें. 1858 त ताणे कोंकणी विशीं इतिहासिक निंबंद बरोवन एक व्हडलें इतिहासिक कार्यच केलें. अशें म्हणून येता. कोंकणी निंबंद बरोवपापासत, ताणे कोंकणी भाशेचो, तिरुंत आशिल्या भरयोस साहित्याचो संशोधन पुराय नियाळ घेतलो. गोंय प्रांतिक परिशदेची 1567, 1575, 1585, 1592 आनी 1606 ह्या काळांतल्या सांमेलनांनी जीं आज्ञापत्रां आनी अधिनियम मानून घेतिल्ले तांचे आस्तित्व तशें अंधूक जावंक नाशिल्लें. अशे फाटभुये मैसियोर रिल्हारान साबार कोंकणीक मायभास मानतल्यांक उलो मारुन म्हळें, कोंकणीची व्हडविक उमजून घेयात. तिका पिडापीड कोणे, तेच परी कशे तरेन केली, तिचे संबंदान इतिहास नियाळात संस्कृतीक, सामाजीक, जिक्रणीक आनी दीसपटे जिणेचे मठांनी तिचे उपयोगन करूक लजू नाकात.

ज्योकीं इलियोदोर द कुन्य रिल्हार हाणे फुडारांत गोंयकारांक लाव जावंक जाय म्हून किंते केलें?

- (1) ताणे एक पक्षी प्रशासन सांबाळले आनी हेर वटेन कोंकणीच्या उद्गाराचेय ब्रत घेतलें
- (2) ताणे 'कोंकणी विशीं इतिहासिक निंबंद' बरोवन एक व्हडलें इतिहासिक कार्यच केलें
- (3) कोंकणीची व्हडविक उमजून घेयात तिका पिडापीड, कोणे, तेच परी कशे तरेन केली तिचे संबंदान इतिहास नियाळात
- (4) अशें सांगले

1[Option ID=17993]

2[Option ID=17994]

3[Option ID=17995]

4[Option ID=17996]

Sl. No.150
QBID:851100

सक्यल दिल्लो गद्यांश नक्सूदपणान वाचात आनी ताचे पोन्दा दिल्ल्या प्रसनांची अर्थपुराय उत्तरां वेंचून काडात:

कोंकणीन 10व्या शेंकडयाच्या अदमासाक भाषेचे रूप घेतलें, अशें चडशा विद्वानांचे म्हणें. कोंकणी भाषेचे विद्मान्य आनी वस्तुनिष्ठ संशोधक दोतोर मुमिन मंगेश कडे, रावसाहेब दो. व्हि. पी. चब्हाण, दो.सु.बा कुलकर्णी हांणीय तशा अर्थाचे अभ्यासपुराय ग्रंथलेखन केलां-रूप घेवाची ही घडणक महव्यार कोंकणीची उत्पत्ती अशें म्हणूक जाय. कोंकणी भाषेच्या अस्तित्वा पासत जाय आशिल्ले आंदोलन अशें म्हणप समा न्हय. 16व्या शेंकडयाच्या मध्यावधीत कृष्णदास शामा हांच्यो रामायण तेच परी महाभारत ह्या महाकाव्यांतलो गद्यात रचिल्याचे कथा त्याच समायार बरोवन जाल्यो हे रचणुके फाटल्यांन तांच्यो प्रेरणा किंते आशिल्ल्यो म्हणपाची कारणां आजूनय स्पष्टतायेन उमजनात. घडये गोंयचे आस्मितायेच्या कारणाक लागून कोंकणीची उदरगत करपाची आत्मगत प्रेरणा आसू येता.

परन्त 16व्या शेंकडयांत गोंयांत राज्यशक्त चलोवंक आयिल्ल्या (खरेणी आफोवन हाडिल्ल्या) किरिस्तांव धर्मप्रसारकांच्यो प्रेरणा सुस्पष्ट आशिल्ल्यो तांका तांचो धर्म प्रसारित जावक जाय आशिल्लो, आनी तांका सत्तेचे बळ लविल्लें. धर्मप्रसाराचे दिकेन वचपा पासत गोंय प्रांतिक परिशदेच्या, 1567, 1574, 1575, 1492 आनी 1606 ह्या काळातली सांमेलनांनी पारित जाल्ली आज्ञापत्रां आनी अधिनियम मानून घेतिल्लीं शेकी फान्सिसकन पंथीय क्रिस्ती धर्मप्रसारकांक थकाव्या भासांचे तशें आकर्षण नासल्लारव जेज्वीत पंथीय क्रिस्ती धर्म प्रसारकांल्या 'सोसायटी ऑफ जीझस' हे संस्थेत थळाव्या भासांत बरपावळ करूक जाय म्हणपाची वेवस्था आशिल्ली. देखून 17व्या शेंकडयांत हे भाषेच्या अभ्यासाक तेच परी तिच्यातले साहित्याचे रचणुके क आरंब जालो अशें दिसता. अनुमानान शंबर एक वसां हो मोलादीक वावर चल्लो. त्या काळांन कोंकणीत मोट्या उत्साहान आनी व्हडा संछेयन व्याकरणां उत्तरावळी, शब्दकोश, धार्मिक प्रश्नोत्तरी, चरित्रां हांची बरपां जाली. 27 जून 1684 हो दीस गोंयच्या इतिहासांत म्हत्त्वाचे थारात, कारण गोंयचो ब्हाईसरंरव फ्रान्सिस द ताळ्होरान कोंकणी भास उलोवपाची, बरोवपाची, वाचपाची मान्यताय काढून घेतली. उपरान्त ते बरपावळेच्या निर्मिणक खुंड पडलो तो पडलो. सामान्य समशीतल तितली उर्बा नाशिल्ली आनी राजकी तेच परी धर्मिक पर्यावरण अशें आशिल्लें की कोंकणीची कास धरपा इतली उमळशिकेची निर्मणी जावक पावली ना. कोंकणीचे आंदोलन 17व्या शेंकडयांत जावंक पावरले ना, कारण आपणाले भाशेविशी उत्तान जावंचे अशी: परिस्थिती नाशिल्ली ह्या आंदोलनाच्या मुळसांत गोंयचे आस्मितायेचो आनी आस्तित्वाचे समस्येची बसका आसूक जाय आशिल्ली.

गोंयांत पुरुगाली शासकांचो प्रतिनिधि म्हून प्रमुख सचिव पदावरे वावर करपी ज्योकीं इलियोदोर द कुन्य रिव्हार 1855त गोंयांत आयलो ताणे एक पक्षी प्रशासन सांबाळले आनी हो वटेन कोंकणीच्या उद्गाराचेय ब्रत घेतलें. 1858 त ताणे कोंकणी विशीं इतिहासिक निंबंद बरोवन एक बहूलें इतिहासिक कार्यच केलें. अशें म्हणून येता. कोंकणी निंबंद बरोवपापासत, ताणे कोंकणी भाषेचो, तिरूत आशिल्या भरवोस साहित्याचो संशोधन पुराय नियाळ घेतलो. गोंय प्रांतिक परिशदेची 1567, 1575, 1585, 1592 आनी 1606 ह्या काळांतल्या सांमेलनांनी जीं आज्ञापत्रां आनी अधिनियम मानून घेतिल्ले तांचे आस्तित्व तशें अंधक जावंक नाशिल्लें. अशे फाटभुंये मैसियोर रिव्हारान साबार कोंकणीक मायभास मानतल्यांक उलो मारुन म्हळें, कोंकणीची व्हडविक उमजून घेयात. तिका पिडापीड कोणे, तेच परी कशे तरेन केली, तिचे संबंदन इतिहास नियाळात संस्कृतीक, सामाजीक, शिक्षणीक आनी दीसपटे जिणेचे मठांनी तिचे उपयोजन करूक लजू नाकात.

ह्या परिच्छेदाक तुमी खंयचो माथालो वेंचून काडल्ले?

- (1) कोंकणीच्या आंदोलनांचे आदी-पर्व
- (2) कोंकणीचे उदरगातीत विद्वानांचो पालव
- (3) कोंकणीच्या आंदोलनाच्या काळांतले आदी पर्व
- (4) कोंकणी भास: स्वत्त्व आनी द्वंद्व

1[Option ID=17997]

2[Option ID=17998]

3[Option ID=17999]

4[Option ID=18000]